मंगलवार, 2 जून 2026

ज्यैष्ठ, कृ.प., द्वितीया, विक्रमीय संवत् 2083

मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)

वर्ष : 21, संख्या : 179, पृष्ठ-8

कोलकाता

RNI No. WBHIN/2005/16483

www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

नीति आयोग की बैठक से पहले मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने सभी विभागों से मांगी रिपोर्ट पेज–3

नार्वे चेस 2026 : गुकेश और दिव्या हारे, कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत पेज–8

BHARATMITRA, KOLKATA, TUESDAY, 2 JUNE 2026

पश्चिम बंगाल में हुआ मंत्रिमंडल का विस्तार, 35 मंत्रियों ने शपथ ली

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के मंत्रिमंडल का सोमवार को पहला बड़ा विस्तार हुआ। लोक भवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आर.एन. रवि ने 35 नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मंत्रिमंडल विस्तार में 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, तीन नेताओं को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री तथा 19 नेताओं को राज्य मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 41 हो गई है। समारोह की शुरूआत वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान के साथ हुई थी।

13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है जिनमें दीपक बर्मन, तापस राय, डॉ. शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शारद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं।

स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री

तीन विधायकों को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी दी गई है। ये हैं डॉ. इंद्रनील खान, मालती रावा राय और राजेश महतो।

19 लोग बने राज्य मंत्री

समारोह में 19 विधायकों ने राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। ये हैं--

1. जुएल मुर्मू 2. हरे कृष्ण बेरा 3. आनंदमय बर्मन 4. अशोक डिंडा 5. नदियार चांद बाउरी 6. विशाल लामा 7. शांतनु प्रमाणिक 8. मौमिता विश्वास मिश्रा 9. उमेश राय 10. पूर्णिमा चक्रवर्ती 11. कौशिक चौधरी 12. भास्कर भट्टाचार्य 13. दिवाकर घरामी 14. अमिया किस्कू 15. कलिता माझी 16. गर्गी दास घोष 17. विराज विश्वास 18. दीपंकर जाना और 19. सुमना सरकार।

शपथ ग्रहण समारोह में अधिकांश नेता पारंपरिक बंगाली परिधान धोती और कुर्ता में पहुंचे। कई नवनियुक्त मंत्री अपने परिवार के सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अलावा केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और मंत्री अग्निमित्रा पाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

मंत्रिमंडल विस्तार में संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और विभिन्न सामाजिक वर्गों को प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है। उत्तर बंगाल के विधायकों को अधिक जगह मिली है।

सूत्रों के मुताबिक, विभागों का अंतिम आवंटन जल्द किया जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद सभी मंत्री नवान्न पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

इससे पहले 09 मई को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच मंत्रियों अग्निमित्र पॉल, दिलीप घोष, खुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक और अशोक कीर्तनीय ने भी शपथ ग्रहण की थी।

महिलाओं के लिए सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा शुरू

कोलकाता/ आसनसोल, नि.सं : सोमवार के राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं की आवाजाही निःशुल्क हो गई। दक्षिण बंगाल राज्य परिवहन निगम (एसबीएसटीसी) की बसों में महिलाओं के लिए निःशुल्क यात्रा योजना का शुभारंभ सोमवार को आसनसोल एसबीएसटीसी बस डिपो से किया गया। इस अवसर पर आसनसोल उत्तर के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी, बाराबनी के विधायक अरिजीत राय सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव के दौरान महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा देने का वादा किया था, जिसे आज पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो वादा करती है, उसे पूरा भी करती है। उन्होंने यह भी कहा कि अन्नपूर्णा भंडार जैसी अन्य घोषणाओं को भी जल्द लागू किया जाएगा।

कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के नवनिर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के प्रयासों से जल्द ही सोनार बांग्ला के निर्माण का सपना साकार होगा।

बाराबनी के विधायक अरिजीत राय ने इस दिन को पश्चिम बंगाल के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के हित में लिया गया यह फैसला करोड़ों महिलाओं को लाभ पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व किए गए सभी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

आज भी कई महिलाएं सामाजिक और आर्थिक कारणों से अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं, लेकिन मुफ्त यात्रा सुविधा मिलने से उन्हें आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

फिलहाल महिलाएं आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड अथवा फोटोयुक्त अन्य पहचान पत्र दिखाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं। भविष्य में बीडीओ और एसडीओ कार्यालयों के माध्यम से महिलाओं को स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसके जरिए वे मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। महिलाओं का कहना है कि इससे उनके दैनिक आवागमन का खर्च कम होगा और उन्हें शिक्षा, रोजगार तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा करने में सुविधा मिलेगी।

हमारे विधायकों को पार्टी छोड़ने के लिए धमका रही पुलिस': ममता

कोलकाता, नि.सं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को सरकार और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस टीएमसी विधायकों को पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने के लिए धमका रही है। बनर्जी ने बिना उचित पुनर्वास योजना के फेरीवालों पर की गई कार्रवाई की भी आलोचना की।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में पुलिस राज चल रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोलकाता में टीएमसी नेताओं पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई तो वह अपने विरोध प्रदर्शन को दिल्ली तक ले जाएंगी।

समर्थकों को किया संबोधित

पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि टीएमसी ने कोलकाता के रानी रश्मोनी रोड पर धरना देने की अनुमति मांगी थी। लेकिन पुलिस ने इसकी इजाजत नहीं दी। उन्होंने इस फैसले को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर वह राष्ट्रीय राजधानी में भी विरोध प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस डराने, गिरफ्तार करने और चुनावी हेरफेर के जरिये टीएमसी को कमजोर करने में भाजपा को मदद कर रही है। उन्होंने कहा, हमें धरना देने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सड़क लगभग खाली रहती है और यह सिर्फ 100 लोगों का विरोध प्रदर्शन है। हमने पुलिस को पत्र दिया था। अगर वे वहां अनुमति नहीं देना चाहते थे तो कोई दूसरा स्थान सुझा सकते थे। अगर अनुमति नहीं मिली तो मैं अकेले दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करूंगी।

दूसरी नोटिस देने अभिषेक के घर पहुंचा सीआईडी

कोलकाता, नि.सं। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग के अधिकारी सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी को दूसरा नोटिस देने के लिए उनके घर पहुंचे। अभिषेक बनर्जी को आठ जून को दोपहर 12 बजे पश्चिम बंगाल के पुलिस मुख्यालय में भवानी भवन में सीआईडी कार्यालय में पेश होने को कहा गया है। बनर्जी ने सोमवार को खराब सेहत का हवाला देकर सीआईडी के सामने पेश होने के लिए 15 दिन का समय मांगा था। वहीं दूसरी ओर, इस मामले को लेकर भी खूब सियासत हो रही है। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने सोमवार कहा कि अभिषेक बनर्जी ने समन से बचने की कोशिश की है लेकिन उन्हें आखिरकार पेश होना ही पड़ेगा। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि ऐसा प्लान बन रहा है। जब तृणमूल के कुछ नेता अभिषेक बनर्जी पर कथित तौर पर हमला करने की कोशिश करते हुए पकड़े गए, तो शक हुआ। आज उन्होंने समन से बचने की कोशिश की है। लेकिन उन्हें आखिरकार पेश होना होगा। वह कब तक इससे बच सकते हैं?

क्या है मामला

दरअसल, टीएमसी के दो विधायकों ऋतब्रत बंद्योपाध्याय और संदीपन साहा ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्ष के नेता के रूप में शोभनदेब चट्टोपाध्याय की नियुक्ति के लिए पारित पार्टी प्रस्ताव में उनके जाली हस्ताक्षर बनाए गए हैं।

लक्खी भंडार योजना में 30 लाख फर्जी खातों का दावा

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को दावा किया कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की लक्ष्मी भंडार योजना में करीब 30 लाख फर्जी खाते बनाए गए थे। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक को विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया है।

नबान्न में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में अवैध रूप से धन का हस्तांतरण हुआ है, इसलिए धन शोधन के पहलुओं की भी जांच कराई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के लिए शुरू की गई इस योजना का लाभ कई पुरुषों ने भी फर्जी दावों के जरिए उठाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच में बड़ी संख्या में अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। उनके अनुसार, कुछ पुरुषों को महिलाओं के नाम पर योजना का लाभ लेने के आरोप में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जमीनी स्तर तक फैली इन कथित अनियमितताओं को समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाएगी।

अधिकारी ने अन्नपूर्णा भंडार योजना के लिए जारी किए गए 12 पृष्ठों के सत्यापन प्रपत्र का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि जो लोग नई भाजपा सरकार की इस योजना की आवेदन प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें लक्ष्मी भंडार योजना में सामने आई गड़बड़ियों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अन्नपूर्णा भंडार योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 3000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिला लाभार्थियों के खातों में इस योजना की पहली किश्त बुधवार को जारी की जाएगी। आवेदन फार्म के जटिल होने से संबंधित पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एक भी गैर भारतीय और अपात्र लोगों के खाते में पैसा नहीं जाए इसके लिए यह व्यवस्था की गई है।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में एसआईटी का गठन

कोलकाता, (नि.सं.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस विधायकों के कथित हस्ताक्षर जालसाजी मामले की जांच तेज करते हुए सीआईडी ने पांच सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। इसी बीच, तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए तलब किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, डीआईजी रैंक के एक अधिकारी के नेतृत्व में गठित इस एसआईटी में एक डीएसपी और दो निरीक्षक समेत कुल पांच वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। अभिषेक बनर्जी को सोमवार दोपहर भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में उपस्थित होने का नोटिस दिया गया है, हालांकि उनके स्वास्थ्य कारणों के चलते इस उपस्थिति पर फिलहाल संशय बना हुआ है।

यह पूरा मामला विधानसभा में दल के नेता या विपक्ष के मुख्य चेहरे के चयन की प्रक्रिया से जुड़ा है। नई सरकार के गठन के बाद छह मई को कालीघाट में आयोजित तृणमूल कांग्रेस विधायकों की बैठक में शोभनदेव चटर्जी के नाम का प्रस्ताव रखा गया था। इसके बाद विधानसभा सचिवालय को एक समर्थन प्रस्ताव सौंपा गया, जिसमें पार्टी के ७० विधायकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था। यह विवाद तब गहराया जब कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित तौर पर विसंगति और असंगति सामने आई।

विधानसभा सचिवालय को संदेह हुआ कि कुछ विधायकों के हस्ताक्षर पूरी तरह फर्जी हो सकते हैं, जिसके बाद विधानसभा सचिव ने मामले की औपचारिक एफआईआर दर्ज कराई और इसकी उच्चस्तरीय जांच सीआईडी को सौंप दी गई।

इस राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले की जांच के सिलसिले में सीआईडी पहले ही विधायक नयना बनर्जी, बहारुल इस्लाम और पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष को नोटिस जारी कर चुकी है।

बात पते की... श्याम जगोता

किस्मत से नहीं, हौसलों से बदली कलिता मांझी ने राजनीति की तस्वीर

झाड़ू-पोंछा करने वाली महिला बनीं मंत्री

जगदीश यादव, कोलकाता

बंगाल में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल के विस्तार में आज जिस चेहरे ने दुनिया को खींचा वह है कलिता माझी का। जी हां, संघर्ष का एक ऐसा चेहरा जिसके बुलंद इरादों ने राजनीति में एक खास अध्याय लिख दिया है, जिसे स्वच्छ राजनीति का ककहरा सीखने वाले आदर्श चेहरा के तौर पर याद रखेंगे। कभी दूसरों के घरों में परिचारिका यानी कामवाली का काम कर अपना घर चलाने वाली कलिता माझी ने भले ही को शुभेंदु अधिकारी कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली है, लेकिन कलिता का फर्श से अर्श का सफर आसान नहीं रहा।

जब इसी बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी हार जाती हों तो आउशग्राम विधानसभा से भाजपा के टिकट पर जीत कर विधायक बनने वाली कलिता माझी का राजनीतिक सफर आसान नहीं रहा। उनके पति राजमिस्त्री का काम करते हैं और वह खुद लोगों के घरों में काम करती हैं। लेकिन मन से भाजपाई कलिता माझी के सपनों को तब पंख मिले जब उन्हें 2021 में, भाजपा ने पहली बार विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा। तब कलिता अपने प्रतिद्वंद्वी व तृणमूल के अभेदानंद थण्डर से 11,815 वोटों के अंतर से हार गईं। यहीं से कलिता को एक उम्मीद और बदलाव की रौशनी दिखी और भाजपा को एक ऐसा चेहरा मिला जो आमजन होते हुए भी साफ राजनीति की इच्छा शक्ति लिए कुछ खास इतिहास लिखने को बेचैन हो।

सफर आसान नहीं रहा। कलिता धमकी-चमकी और कभी-कभी उपहास का पात्र भी बनती रहीं लेकिन वर्ष 2026 में वह दौर आया जब टीम भाजपा ने ममता बनर्जी के अभेद्य कहे जाने वाले किले को नेस्तनाबूद कर दिया। कलिता ने भी जीत का ताज पहना तो किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था। लेकिन अंधेरा छंट गया था, बंगभूमि में सूरज भगवा लालिमा लिए हुए निकला और उम्मीद का कमल खिल गया। उम्मीद का एक नया दौर, नये जमाने के साथ ही शुभेंदु युग शुरू हुआ। इसी उम्मीद के साथ कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास निश्चित है।

बहरहाल बता दें कि राजनीति के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने वाली कलिता माझी मूल रूप से मंगलकोट थाना क्षेत्र के एक बेहद गरीब परिवार से आती हैं और उनका ससुराल भी बेहद निर्धन है। लेकिन कलिता माझी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को 12,535 वोटों से शिकस्त देकर शानदार जीत दर्ज की। कभी मुफलिसी में दिन काटने वाली कलिता माझी का शुभेंदु मंत्रिमंडल में शामिल होना इस बात का सबूत है कि लोकतंत्र में एक आम और गरीब इंसान भी सत्ता के शीर्ष तक पहुंच सकता है। लिहाजा राजनीति में कब क्या हो और कौन किस पथ का राही हो जाए कहा नहीं जा सकता है। फिलहाल कलिता राजनीति में एक ऐसा चेहरा है जो साफ राजनीति के पैरोकारों और उनलोगों के लिए जो इस क्षेत्र में आना चाहते हैं- के लिए प्रेरणा बन सकती हैं।

बंगाल में सबसे कम उम्र के युवा मंत्री बने बिराज विश्वास

उत्तर दिनाजपुर, (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पहली ÷डबल इंजन÷ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में सबसे ज्यादा एन. रवि ने सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत

दारिभिट आंदोलन से मिली अधिक पहचान

चर्चा उत्तर दिनाजपुर के करणदिघी से विधायक बिराज विश्वास की हो रही है। महज 32 वर्ष की उम्र में उन्होंने राज्य के सबसे युवा मंत्री के रूप में शपथ लेकर नया रिकॉर्ड कायम किया है।

सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार के 35 नए मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की। राज्यपाल आर. करने वाले बिराज विश्वास का राजनीतिक सफर काफी संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़कर राजनीति में कदम रखा और बाद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में शामिल हुए। संगठन में उन्होंने प्रदेश सचिव और बाद में राष्ट्रीय सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों

पर जिम्मेदारी निभाई। उनकी संगठनात्मक क्षमता ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।बिराज विश्वास को सबसे अधिक पहचान दारिभिट आंदोलन के दौरान मिली। सरकार विरोधी उस आंदोलन में वे अग्रिम पंक्ति के नेताओं में शामिल थे और आंदोलन का नेतृत्व करते हुए उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

2026 के विधानसभा चुनाव में करणदिघी सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरे बिराज विश्वास ने बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी गौतम पाल को लगभग 20 हजार वोटों से हराकर विधानसभा में प्रवेश किया। यह जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता मानी जा रही है, बल्कि उत्तर बंगाल में भाजपा की बढ़ती राजनीतिक ताकत का भी संकेत है।

मंत्री बनने की खबर मिलते ही करणदिघी और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई।

स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि युवा मंत्री के रूप में बिराज विश्वास क्षेत्र के लंबे समय से लंबित बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देंगे।

शंकर घोष ने फिर साबित किया जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत

कोलकाता/सिलीगुड़ी, (नि.सं.)। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद सिलीगुड़ी को फिर से एक पूर्ण मंत्री मिला है। इस नई जिम्मेदारी से शहर के परिचित चेहरे, शिक्षक और दो बार के विधायक शंकर घोष को सम्मानित किया गया है। राजनीति में उन्हें ÷जायंट किलर÷ के नाम से जाना जाता है। 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने एक बार फिर इस पहचान को साबित कर दिया।

इस चुनाव में सिलीगुड़ी के मेयर और राज्य के पूर्व मंत्री गौतम देव को लगभग 70 हजार वोटों के भारी अंतर से हराकर शंकर घोष ने बड़ी जीत दर्ज की। उनकी इस जीत ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा छेड़ दी है और शहरवासियों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है।

2021 के विधानसभा चुनाव में शंकर घोष ने तत्कालीन दिग्गज वाम नेता अशोक भट्टाचार्य को हराकर अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी। वाम दल छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद मिली उस सफलता को उन्होंने 2026 में भी बरकरार रखा और गौतम देव जैसे अनुभवी नेता को पराजित कर यह साबित किया कि सिलीगुड़ी के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता कितनी मजबूत है।

पेशे से शिक्षक शंकर घोष अपनी सादगी और आम लोगों से जुड़ाव के लिए जाने जाते है। उनके जीवन में न तो दिखावा है और न ही अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था का घेरा, जिससे वे लोगों के और करीब माने जाते हैं।

शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर पर उनके प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। पूर्व मंत्री अशोक भट्टाचार्य ने कहा कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है, यह अच्छी खबर है। मैं खुश हूं। वह मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन अब देखना होगा कि वह शहर के विकास को किस तरह आगे बढ़ाते हैं।

वहीं, पूर्व मंत्री और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव ने कहा, ÷यह अच्छी बात है कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है। मैं चाहता हूं कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरें, क्योंकि सिलीगुड़ी की जनता ने उन पर बहुत भरोसा जताया है।÷

शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर से सिलीगुड़ी की गलियों में उत्सव जैसा माहौल है। शहर के वरिष्ठ निवासी उत्पल दास ने कहा कि एक शिक्षक को मंत्री के रूप में पाकर हमें गर्व है। पिछले कुछ वर्षों में सिलीगुड़ी ने कई प्रशासनिक और बुनियादी ढांचा संबंधी बदलाव देखे है। हमें उम्मीद है कि शंकर बाबू स्वास्थ्य, शिक्षा और ट्रैफिक जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए जल्द कदम उठाएंगे।

युवाओं का भी मानना है कि शंकर घोष की साफ-सुथरी छवि और आम लोगों से सीधा जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्हें उम्मीद है कि मंत्री के रूप में वे केवल सिलीगुड़ी ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बंगाल में औद्योगीकरण और रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर भी विशेष ध्यान देंगे।

विद्यापति पर्व समारोह में दिखी मैथिली संस्कृति की झलक

कोलकाता, । कोलकाता स्थित गैर सरकारी संस्था मैथिल युवा सामाजिक विकास मंच के तत्वावधान में रविवार शाम मुकुंदपुर स्कूल ग्राउंड में विद्यापति पर्व समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह पश्चिम बंगाल के पंचायत एवं कृषि विपणन मंत्री दिलीप घोष तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सुभाष सरकार सहित कई गणमान्य लोग अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, दिलीप घोष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में दिलीप घोष ने मिथिला की संस्कृति एवं सभ्यता की सराहना करते हुए कहा कि मिथिलावासी अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को इसी प्रकार संरक्षित एवं संवर्धित करते रहें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जादवपुर जिला संगठनात्मक सभापति मनोरंजन जोधा, उपसभापति गोविन्द जी, महासचिव मौसमी दास, युवा मोर्चा महासचिव कुंदन साह, उपसभापति पंकज झा, मंडल-1 सभापति सजल राय, समाजसेवी प्रकाश झा सहित मिथिला एवं मैथिली समाज की अनेक संस्थाओं के गणमान्य पदाधिकारी एवं सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।समारोह में मैथिली भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।समारोह के दौरान मिथिलांचल के विख्यात गायकों ने महाकवि विद्यापति रचित गीतों की प्रस्तुति देकर मैथिली संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरी। जिन कलाकारों ने परंपरागत मैथिली गीतों से समां बांधा उनमें पंडित कुंज बिहारी मिश्र, डा. चंद्रमणि झा, सुरेश पंकज, रामबाबू झा, माधव राय, आदित्य ठाकुर, रोशन झा, जुली झा व अन्य कलाकार शामिल थे।कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से पंडित कुंज बिहारी मिश्रा को मिथिल मणि, गायक सुरेश पंकज को मिथिला मणि, उद्घोषक सह गायक, कवि राधे भाई एवं समाज सेवी विष्णु झा जी को मिथिला वैभव सम्मान से सम्मानित किया गया।संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम के मुताबिक संस्था का मुख्य उद्देश्य कन्या विवाह में मदद करना एवं बेरोजगारों के लिए रोजगार का प्रबंध करना है।आयोजन को सफल बनाने में संस्था की अध्यक्ष मालती झा, लक्ष्मी कांत झा, सुनील पाठक, उमेश मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, जतिंद्र नाथ मिश्रा, विभूति राय, राजेश पांडे, सुमित सिंह, त्रिलोक नाथ झा, दुर्गेन्द्र झा सहित संस्था के अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

तृणमूल नेत्री कल्पना शीट के घर पुलिस की तलाशी

पश्चिम मेदिनीपुर, (नि.सं.)। जिले के बेलदा थाना क्षेत्र के देउली स्थित तृणमूल कांग्रेस की नेत्री तथा राज्य तृणमूल कांग्रेस की महासचिव कल्पना शीत के आवास पर सोमवार को पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। बालू कारोबार से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन मामले की जांच के तहत खड़गपुर टाउन थाना पुलिस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने उनके घर पहुंचकर विभिन्न दस्तावेजों और तथ्यों की जांच की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बालू माफिया से कथित आर्थिक लेनदेन के आरोपों की जांच के सिलसिले में शनिवार को कल्पना शीत को गिरफ्तार किया गया था।

खड़गपुर में कांसाई नदी में डूबने से तीन किशोरों की मौत

खड़गपुर, (नि.सं.)। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर में सोमवार सुबह कांसाई नदी में स्नान करने गए तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटना एनीकेत बांध के पास हुई। मृतकों की पहचान निखिल चारी (16), जेनिथ चारी (17) और कैलेब दिबांग (16) के रूप में हुई है। तीनों खड़गपुर के वार्ड संख्या 28 स्थित माझीपाड़ा इलाके के निवासी थे।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छह दोस्तों का एक समूह सुबह घूमने निकला था। इसी दौरान तीन किशोर नदी में स्नान करने उतर गए। उनके साथ मौजूद अन्य दोस्तों ने नदी में उतरने से मना किया था, लेकिन

उन्होंने बात नहीं मानी। नदी में उतरते ही तेज बहाव की चपेट में आकर तीनों गहरे पानी में चले गए और डूब गए।

साथियों के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और नाव की मदद से खोजबीन शुरू की। हालांकि नदी की गहराई अधिक होने के कारण उन्हें तत्काल नहीं खोजा जा सका।

सूचना मिलने पर खड़गपुर थाने की पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद तीनों किशोरों को बाहर निकाला गया और खड़गपुर महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि नदी के तेज बहाव के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अजय पोद्दार के कैबिनेट मंत्री बनने पर सामाजिक संगठनों ने दी शुभकामनाएं

बराकर, नि.सं। कुल्टी विधायक डॉ अजय कुमार पोद्दार को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है। यह खबर टेलीविजन के माध्यम से प्रसारित होते ही पूरे कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में उत्सव का माहौल हो गया। जगह जगह पर भाजपा समर्थक पटाखे फोड़ने लगे एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा कर तथा मिठाई खिला कर इस यादगार पल का जश्न मनाया। कई भाजपा कर्मियों ने मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना भी की। आजादी के बाद से कुल्टी वासियों के लिए यह पहला सुनहरा पल है, जब कुल्टी विधानसभा के निवासी को कैबिनेट में मंत्री बनाया गया है।

कुल्टी विधायक को कैबिनेट मंत्री पद का शपथ ग्रहण करने के बाद से सभी सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाओं की बौछार होने लगी। कई तृणमूल कर्मी भी शुभकामनाएं देने में पीछे नहीं रहे। वही बराकर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल, बेगुनिया बराकर चेंबर ऑफ कॉमर्स के शंकर शर्मा,बराकर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के दीपक दुधानी, नियामतपुर मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव सचिन बालोदिया, बराकर पिंजरापोल सोसाइटी गौशाला के सचिव अर्जुन अग्रवाल,मारवाड़ी युवा मंच बराकर ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, सचिव मयंक अग्रवाल,बराकर मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष हेमलेखा अग्रवाल, सचिव रजनी माधोगड़िया,बराकर सृजन शाखा की अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल,सचिव रितिका अग्रवाल ने कैबिनेट मंत्री को बधाई दी।

डीवीसी केटीपीएस में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का शुभारंभ

कोडरमा, वि.सं॰ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए डीवीसी कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन (केटीपीएस) में 1 जून से 5 जून 2026 तक विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को पर्यावरण शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ओ एंड एम) अमन ज्योति ने हिंदी में तथा महाप्रबंधक (एएचएम) तपस मृधा ने अंग्रेजी में पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। समारोह में महाप्रबंधक (फेज-2) मानस नस्कर सहित केटीपीएस के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए के अनुरूप पूरे सप्ताह विभिन्न जागरूकता एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इनमें वृक्षारोपण अभियान, बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता, ग्रामीणों के बीच कपड़े के थैलों एवं पौधों का वितरण तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कार्यक्रम का समन्वयन उप महाप्रबंधक (डीजीएम) मनोज कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है, जबकि वरिष्ठ प्रबंधक (ईएम एंड पीसी) सोमसुब्र मोण्डल का सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

इस अवसर पर डीवीसी केटीपीएस प्रबंधन ने स्वच्छ, हरित और पर्यावरण-अनुकूल भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुन॰ दोहराते हुए सभी कर्मचारियों एवं नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

ईसीएल के सीएमडी ने किया सोनपुर बाजारी क्षेत्र का दौरा

उत्पादन लक्ष्य हासिल करने की रणनीतियों की समीक्षा

दुगार्पुर वि.सं॰ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सतीश झा ने सोमवार को सोनपुर बाजारी क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न खनन परियोजनाओं और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उनके आगमन पर सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक एस. के. झा, वरिष्ठ अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

दौरे के दौरान सीएमडी ने 2सी2डी पैच, 226.78 लाख घन मीटर (एलकॉम) ओवरबर्डन (ओबी) पैच तथा ड्रैगलाइन फेस का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे खनन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और वित्त वर्ष 2026-27 के उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं रणनीतिक सुझाव दिए। साथ ही परिचालन दक्षता बढ़ाने और उत्पादन क्षमता को और मजबूत करने पर विशेष बल दिया।

इसके पश्चात सोनपुर बाजारी क्षेत्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक एस. के. झा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 13.5 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन (एमटीवाई) लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु क्षेत्र की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने उत्पादन वृद्धि के लिए उठाए गए विभिन्न महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी देते हुए सीमा समायोजन, प्रस्तावित बनबहल-ढ्ढ्ढ ओपनकास्ट पैच तथा भटमुरा एवं मशुडांगा गांवों के पुनर्वास एवं विस्थापन संबंधी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन पहलों से भविष्य में उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

बैठक के दौरान वित्त वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से हासिल करने की रणनीतियों पर विस्तृत और रचनात्मक चर्चा हुई। अधिकारियों ने उत्पादन, सुरक्षा, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास तथा संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। इसके अलावा क्षेत्र की आगामी परियोजनाओं और विकास योजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सीएमडी ने सोनपुर बाजारी क्षेत्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अधिकारियों को उत्पादन, सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय और योजनाबद्ध कार्यान्वयन आवश्यक है।

ईसीएल का अवैध बिजली कनेक्शन काटने के विरुद्ध प्रदर्शन

बांकोला, वि.सं॰ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के बांकोला क्षेत्र में अवैध बिजली

बैठक में निकला समाधान

कनेक्शनों को लेकर जारी नोटिस के विरोध में सोमवार बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने बांकोला एरिया कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। दरअसल, ईसीएल द्वारा हाल ही में उन अनधिकृत भवनों और प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए थे, जहां कंपनी की बिजली का अवैध रूप से उपयोग किया जा रहा था। आरोप है कि कई स्थानों पर ईसीएल की बिजली से एयर कंडीशनर, हीटर, रेफ्रिजरेटर चलाए जा रहे थे तथा व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही थीं, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था।

स्थिति को देखते हुए भाजपा नेताओं ने बांकोला एरिया ईसीएल प्रबंधन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में बंकोला के महाप्रबंधक, क्षेत्र अभियंता (ई एंड एम), क्षेत्र अभियंता (सिविल) तथा क्षेत्र प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान ईसीएल अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जारी किए गए नोटिस आम उपभोक्ताओं के खिलाफ नहीं, बल्कि केवल उन मामलों में हैं जहां कंपनी की बिजली का अनधिकृत एवं अवैध उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में ऐसे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की पहचान की जाएगी जहां बड़े पैमाने पर एसी, हीटर, फ्रिज तथा अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग ईसीएल की बिजली से किया जा रहा है। ऐसे मामलों में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि ईसीएल के बांकोला क्षेत्र अपने आसपास के निवासियों के कल्याण और सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगा, लेकिन बिजली की अवैध खपत और दुरुपयोग को रोकना भी उतना ही आवश्यक है।

ईसीएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों से ईसीएल की बिजली आपूर्ति बंद की जाएगी, उन्हें पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी (डब्लूबीएसईडीसीएल) के

माध्यम से नियमित बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा। भाजपा नेताओं ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए लोगों को राज्य बिजली कनेक्शन लेने के लिए जागरूक करने का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा भी सामने आया। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कई ऐसे घर और प्रतिष्ठान हैं जहां ईसीएल और राज्य बिजली कंपनी दोनों के कनेक्शन मौजूद हैं। ईसीएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों पर पहले से राज्य बिजली उपलब्ध है, वहां ईसीएल द्वारा बिजली आपूर्ति जारी रखना संभव नहीं होगा और ऐसे उपभोक्ताओं को केवल डब्लूबीएसईडीसीएल की सेवा का उपयोग करना होगा।

बैठक के अंत में ईसीएल प्रबंधन और भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे के समाधान के लिए आपसी सहयोग बनाए रखने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने इसे एक सकारात्मक और सफल बैठक बताते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए तथा बिजली की अवैध खपत पर रोक लगाने के लिए आगे भी समन्वय के साथ काम किया जाएगा।

सुप्रभात

2 जून 2026, मंगलवार, वर्ष मन्मथ (2083) जैष्ठ, कृ.प., दि्वतीया, सूर्योदय 06:17 ,सूर्यास्त 17.23

आज का राशिफल

मेष — आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए दरवाजे खोलने वाला साबित होगा।

तुला — आज आपको अपने कामों में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

वृषभ — भाग्य आपका पूरा साथ देगा और आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसमें सफलता के संकेत दिखाई देंगे।

वृश्चिक — दिन आपके लिए खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

मिथुन — कुछ खास कर दिखाने का संकेत दे रहा है। आपके अंदर नई ऊर्जा और उत्साह रहेगा।

धनु — रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आपकी आय के नए स्रोत खुलेंगे।

कर्क — पारिवारिक व्यवसाय में किसी प्रकार की कड़वाहट चल रही थी, तो आज वह दूर हो सकती है।

मकर — आज का दिन आपके प्रभाव और सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा।

सिंह — कुछ लोग आपके खिलाफ साजिश रच सकते हैं, सतर्क रहकर काम को ईमानदारी से करना होगा।

कुंभ — आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदों और सकारात्मक परिणामों से भरा रहेगा।

कन्या — आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं, जिन्हें टालना संभव नहीं होगा।

मीन — आज का दिन आपके लिए आध्यात्म और अच्छे कर्मों से जुड़कर नाम कमाने का रहेगा।

नीति आयोग की बैठक से पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सभी विभागों से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, (नि.सं.)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आगामी 11 जून को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की बैठक से पहले राज्य सरकार के सभी विभागों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के सचिवों को पांच जून तक अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

नवान्न सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की समग्र स्थिति, विकास योजनाओं और वित्तीय आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने राज्य के सभी विभागों की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों, चुनौतियों और आवश्यकताओं का विस्तृत ब्यौरा मांगा है।

सूत्रों का कहना है कि वर्तमान राज्य सरकार का मानना है कि पिछले 15 वर्षों में पूर्ववर्ती सरकार की कथित असहयोगपूर्ण नीति के कारण राज्य को केंद्र से मिलने वाले कई वित्तीय लाभ और अधिकार पूरी तरह नहीं मिल सके। अब सरकार का ध्यान केंद्र से राज्य के बकाया और वैध हिस्से को प्राप्त करने पर है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री सक्रिय रूप से पहल कर रहे हैं।

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, नीति आयोग की बैठक में विभिन्न विकास परियोजनाओं, केंद्रीय सहायता, अनुदान और वित्तीय आवंटन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। माना जा रहा है कि जून के अंत में राज्य सरकार अपना पूर्ण बजट पेश कर सकती है। ऐसे में यदि राज्य अधिक केंद्रीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं से जुड़ने में सफल होता है तो वित्तीय बोझ काफी हद तक कम हो सकता है, क्योंकि अधिकांश योजनाओं में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत होती है।

राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा है कि नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिरी के साथ मुख्यमंत्री के अच्छे संबंध राज्य के लिए अतिरिक्त लाभ दिलाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार उम्मीद कर रही है कि बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के हितों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को मजबूती से रखा जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार के तहत 35 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है, लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है। सामान्य परिस्थितियों में संबंधित विभागों की रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी मंत्रियों की होती है। हालांकि, विभागों के आवंटन में समय लगने और पांच जून की समय-सीमा निकट होने के कारण फिलहाल यह जिम्मेदारी विभागीय सचिवों को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री इन रिपोर्टों के आधार पर राज्य की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं का विस्तृत खाका तैयार कर नीति आयोग की बैठक में भाग लेने वाले हैं, जहां पश्चिम बंगाल के लिए अधिक वित्तीय सहायता और विकास परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए अभिषेक बनर्जी

स्वास्थ्य कारणों का दिया हवाला

कोलकाता, (नि.सं.)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सोमवार को सीआईडी के समन के बावजूद पूछताछ के लिए भवानी भवन नहीं पहुंचे। पार्टी और पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिषेक ने सीआईडी को पत्र भेजकर खराब स्वास्थ्य की वजह से उपस्थित नहीं होने की बात कही है। उन्हें हस्ताक्षर विवाद से जुड़े मामले में सोमवार दोपहर 12 बजे भवानी भवन स्थित सीआईडी मुख्यालय में तलब किया गया था।

अभिषेक के करीबी सूत्रों का दावा है कि वह अभी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बताया गया है कि उनके दाहिने जबड़े, गर्दन और सीने के आसपास दर्द बना हुआ है, जिसके कारण उन्होंने जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने में असमर्थता जताई है। फिलहाल वह अपने आवास पर ही आराम कर रहे हैं।

गौरतलब है कि शनिवार को चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित लोगों से मिलने के दौरान अभिषेक बनर्जी स्वयं भी एक हमले का शिकार हो गए थे। घटना के बाद उन्हें पहले ईएम बाइपास स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया था। बाद में वहां उचित उपचार नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए उन्हें मिंटो पार्क स्थित दूसरे निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद कहा था कि उनकी स्थिति अस्पताल में भर्ती किए जाने जैसी गंभीर नहीं है और उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी गई थी।

यह पूरा मामला विधानसभा में विपक्ष के नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक की नियुक्ति से जुड़े कथित हस्ताक्षर विवाद से संबंधित है। विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद 06 मई को ममता बनर्जी ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर निर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई थी। बैठक में विधायकों ने प्रस्ताव पारित कर विपक्ष के नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक के चयन का अधिकार पार्टी नेतृत्व को सौंप दिया था।

इसके बाद तृणमूल कांग्रेस की ओर से शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता, नयना बंद्योपाध्याय और असीमा पात्र को उपनेता तथा फिरहाद हाकिम को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने की जानकारी दी गई। इस संबंध में पार्टी की ओर से अभिषेक बनर्जी के हस्ताक्षरयुक्त एक पत्र विधानसभा को भेजा गया था, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया।

इसी हस्ताक्षर संबंधी विवाद की जांच के सिलसिले में सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए तलब किया था। अब उनके अनुपस्थित रहने और स्वास्थ्य कारणों का हवाला देने के बाद जांच एजेंसी के अगले कदम पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

राजेंद्रपुर फायरिंग कांड में छह आरोपित गिरफ्तार

बैरकपुर, (नि.सं.)। शिवदासपुर थाना क्षेत्र के राजेंद्रपुर मोड़ स्थित एक निमार्णाधीन भवन के पास हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों को अदालत में पेश किया जा रहा है और उनसे पूछताछ के लिए 10 दिनों की पुलिस हिरासत की मांग की जाएगी। पुलिस के अनुसार, 31 मई 2026 को राजेंद्रपुर मोड़ के निकट एक निमार्णाधीन भवन के पास हथियारों से फायरिंग की घटना हुई थी। घटना के बाद शिवदासपुर थाने में मामला संख्या 95/26 दर्ज किया गया। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(2), 3(5) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और पारंपरिक जांच पद्धतियों की मदद से घटना में छह लोगों की संलिप्तता का पता लगाया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में नैहाटी थाना क्षेत्र के बाबलू शील, सूरजीत हलदार, विशाल कुमार मलिक और सुदीप्त सिंह उर्फ दीप शामिल हैं। इनके अलावा भाटपाड़ा थाना क्षेत्र के राहुल सिंह तथा नदिया जिले के ताहेरपुर निवासी आकाश दत्ता को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों को सोमवार को अदालत में पेश किया जा रहा है। मामले की तह तक पहुंचने, घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच के लिए पुलिस अदालत से 10 दिनों की पुलिस हिरासत की मांग करेगी। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के उत्तर मंडल के उपायुक्त (डीसीपी) असिम खान ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फायरिंग की घटना के पीछे क्या उद्देश्य था और क्या इसमें अन्य व्यक्तियों की भी संलिप्तता है। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर आगे आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तृणमूल कांग्रेस ने ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निकाला

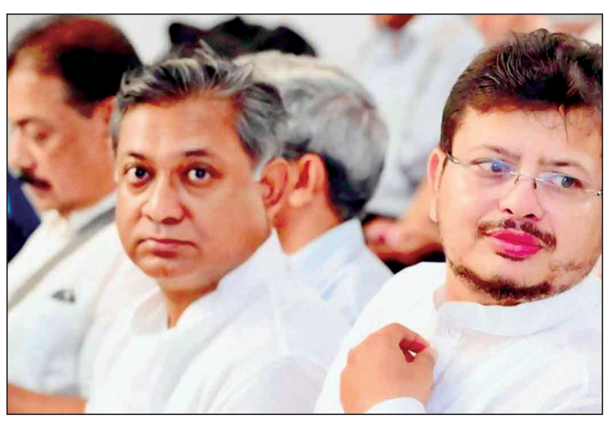

कोलकाता, (नि.सं.)। तृणमूल कांग्रेस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने दो विधायकों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। इन विधायकों के नाम संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी हैं। तृणमूल ने दोनों पर पार्टी-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए यह कार्रवाई की है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, निष्कासन की जानकारी दोनों नेताओं को ईमेल और व्हाट्सऐप के माध्यम से सूचित कर दी गई है। साथ ही इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बसु को भी जानकारी दे दी गई है।

सोमवार को अलग-अलग जारी निष्कासन नोटिस में तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि दोनों विधायक पार्टी के अधिकृत नेतृत्व द्वारा बुलाई गई बैठकों में बार-बार अनुपस्थित रहे और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

नोटिस में आगे कहा गया है कि यह भी देखा गया है कि दोनों विधायकों ने ऐसी गतिविधियों में भाग लिया है और ऐसे बयान दिए हैं जो पार्टी के हितों के लिए हानिकारक हैं। इस मामले पर उचित विचार-विमर्श के बाद दोनों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

निष्कासन के बाद संदीपन साहा ने पार्टी के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जो लोग अनैतिक कार्य करते हैं, पार्टी उनका समर्थन करती है, जबकि नैतिक कदम उठाने वालों को बाहर का रास्ता दिखाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उपस्थिति रजिस्टर में किए गए हस्ताक्षर को किसी प्रस्ताव पर समर्थन के हस्ताक्षर के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

इस घटनाक्रम से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने खुलासा करते हुए कहा था कि संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने ही विधानसभा अध्यक्ष को लिखित शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनके हस्ताक्षरों की जालसाजी की गई है।मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस मंत्री के रूप में मामला उनके संज्ञान में आने के बाद उन्होंने जांच में सीआईडी को शामिल करने का निर्देश दिया था।

यह पूरा मामला विधानसभा में विपक्ष के नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक की नियुक्ति से जुड़े कथित हस्ताक्षर विवाद से संबंधित है। विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद 06 मई को ममता बनर्जी ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर निर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई थी। बैठक में विधायकों ने प्रस्ताव पारित कर विपक्ष के नेता, उपनेता और मुख्य सचेतक के चयन का अधिकार पार्टी नेतृत्व को सौंप दिया था।

इसके बाद तृणमूल कांग्रेस की ओर से शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता, नयना बंद्योपाध्याय और असीमा पात्र को उपनेता तथा फिरहाद हाकिम को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने की जानकारी दी गई। इस संबंध में पार्टी की ओर से अभिषेक बनर्जी के हस्ताक्षरयुक्त एक पत्र विधानसभा को भेजा गया था। यह विवाद तब गहराया जब कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित तौर पर विसंगति और असंगति सामने आई।

अभिषेक बनर्जी पर हमले के विरोध में खड़गपुर में तृणमूल का मार्च

खड़गपुर, (नि.सं.)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में रविवार देर शाम पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर शहर के तालबागिचा इलाके में तृणमूल कांग्रेस की ओर से एक विरोध मार्च निकाला गया।

इस विरोध मार्च का नेतृत्व खड़गपुर शहर के वरिष्ठ तृणमूल नेता जहर पाल ने किया। मार्च में पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई। प्रदर्शनकारियों ने अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक राजनीति में हिंसा का कोई स्थान नहीं है और ऐसे घटनाक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं।मार्च में शामिल कार्यकताओं ने अभिषेक बनर्जी के प्रति एकजुटता और समर्थन भी व्यक्त किया। तृणमूल नेताओं ने कहा कि पार्टी इस तरह की घटनाओं का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

लियोनेल मेसी मामले में अरूप विश्वास ने लगाई अग्रिम जमानत याचिका

कोलकाता, (नि.सं.)। कोलकाता के युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित फुटबॉलर लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान कथित अव्यवस्था और अनियमितताओं से जुड़े मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री अरूप विश्वास ने गिरफ्तारी की आशंका जताते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। सोमवार को उन्होंने बारासात अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की।

मेसी के कार्यक्रम को लेकर हुए विवाद में पुलिस पहले ही आयोजनकर्ता शतद्रु दत्त को गिरफ्तार कर चुकी थी। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। शतद्रु दत्त ने ही अरूप विश्वास समेत कुछ अन्य लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। इसी शिकायत के आधार पर गत शनिवार को बिधाननगर दक्षिण थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अरूप विश्वास के खिलाफ पांच धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इनमें समान उद्देश्य के तहत अपराध, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं शामिल हैं। प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी शतद्रु दत्त ने स्वयं सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की थी। उन्होंने इस कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, खेल मंत्री निशीथ प्रमाणिक और राज्य पुलिस महानिदेशक सिद्धनाथ गुप्ता का आभार भी व्यक्त किया था।

शतद्रु दत्त का आरोप है कि अरूप विश्वास और प्रशासन के कुछ अधिकारियों की कथित गलतियों के कारण लियोनेल मेसी का कार्यक्रम पूरी तरह अव्यवस्थित हो गया। उनके अनुसार, बिना अनुमति बड़ी संख्या में लोगों को स्टेडियम में प्रवेश करने दिया गया, जिसके कारण टिकट खरीदने वाले अनेक दर्शक मेसी की एक झलक तक नहीं देख सके। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि भारी अव्यवस्था के बीच मेसी और उनके सहयोगियों को कार्यक्रम स्थल छोड़ना पड़ा।

युवा भारती क्रीड़ांगन में हुई इस घटना को लेकर अरूप विश्वास की भूमिका शुरू से ही विवादों के केंद्र में रही है। मामले की जांच शुरू होने के बाद उन्होंने खेल मंत्री का पद भी छोड़ दिया था। पुलिस ने अदालत को बताया था कि लगभग 35 हजार दर्शकों ने मेसी को देखने के लिए टिकट खरीदे थे और टिकट बिक्री से करीब 19 करोड़ रुपये की आय हुई थी।राज्य में सत्ता परिवर्तन और भाजपा सरकार के गठन के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

हावड़ा में हमले के बाद तृणमूल नेतृत्व पर बरसे विधायक अरूप राय

कोलकाता, (नि.सं.)। हावड़ा उत्तर से तृणमूल कांग्रेस विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री अरूप राय ने पार्टी नेतृत्व पर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के कार्यकताओं से लेकर सांसद और विधायक तक हमलों का शिकार हो रहे हैं, लेकिन पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी सुध नहीं ले रहा है। सोमवार को अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अरूप राय ने कहा कि शनिवार को उनके घर पर हुए कथित हमले के बाद पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता ने फोन कर हालचाल तक नहीं पूछा। इससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हावड़ा के कासुंदिया फर्स्ट बाई लेन स्थित उनके घर के सामने एक गोदाम से सरकारी राहत सामग्री हटाई जा रही थी। उसी दौरान भाजपा समर्थकों ने वाहन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया और उनके खिलाफ ह्यचोर-चोरह्न के नारे लगाए। इसके बाद उनके घर पर हमला भी किया गया। पूर्व मंत्री ने बताया कि उन्होंने काफी पहले जिला प्रशासन से गोदाम में रखी राहत सामग्री हटाने का अनुरोध किया था। प्रशासन जब सामग्री हटाने पहुंचा, तभी भाजपा कार्यकताओं ने विरोध शुरू कर दिया और उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। अरूप राय ने कहा कि केवल वही नहीं, बल्कि उदयनारायणपुर के तृणमूल विधायक समीर पांजा और सांसद कल्याण बनर्जी भी हमलों का सामना कर चुके हैं। विभिन्न जिलों में पार्टी कार्यकताओं पर हमले हो रहे हैं, लेकिन संगठन की ओर से अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले भी चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन तब कार्यकर्ता और नेता पूरे आत्मविश्वास के साथ जनता के बीच काम करते थे। मौजूदा स्थिति पहले कभी नहीं देखी। अरूप राय ने संकेत दिया कि वह भविष्य में पार्टी के कार्यक्रमों में भाग लेने को लेकर विचार करेंगे। साथ ही, शनिवार की घटना के संबंध में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने की बात भी कही।

उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए कथित हमले के विरोध में सोमवार को राज्यभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया है। मंगलवार को कोलकाता के रानी रासमणि रोड पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है।

गोल्फ ग्रीन मौत कांड में नया मोड़, एक और व्यक्ति हिरासत में

कोलकाता, (नि.सं.)। दक्षिण कोलकाता के गोल्फ ग्रीन इलाके में एक फ्लैट से युवक और युवती के शव बरामद होने के मामले में पुलिस को जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। मामले में पुलिस ने एक और व्यक्ति को हिरासत में लिया है। इससे पहले रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस के अनुसार, मृत युवक की पहचान मोहम्मद दिलशाद के रूप में हुई है। वह पिछले कुछ महीनों से एक 21 वर्षीय युवती के साथ किराये के फ्लैट में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना से एक रात पहले फ्लैट में एक निजी पार्टी आयोजित की गई थी, जिसमें चार लोग शामिल थे। पार्टी के दौरान भारी मात्रा में शराब और नशीले पदार्थों के सेवन की बात सामने आई है।

जांचकताओं का प्रारंभिक अनुमान है कि अत्यधिक नशे के कारण दिलशाद और युवती की तबीयत बिगड़ गई, जिससे उनकी मौत हो सकती है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। शवों पर रक्तस्राव के कुछ निशान भी मिलने की जानकारी सामने आई है। रविवार को फ्लैट से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और युवक-युवती के शव बरामद किए। वहीं, फ्लैट के अंदर से एक अन्य युवक और युवती को नशे की हालत में बचाया गया। पूछताछ के बाद राहुल मुश्ताक और उसकी महिला मित्र को गिरफ्तार किया गया। बाद में उनकी निशानदेही पर एक और व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फ्लैट से बरामद शराब की बोतलें, संदिग्ध नशीले पदार्थ और अन्य सामान जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही मोबाइल फोन रिकॉर्ड, चैट और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

शंकर घोष ने फिर साबित किया जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत

कोलकाता/सिलीगुड़ी, (नि.सं.)। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद सिलीगुड़ी को फिर से एक पूर्ण मंत्री मिला है। इस नई जिम्मेदारी से शहर के परिचित चेहरे, शिक्षक और दो बार के विधायक शंकर घोष को सम्मानित किया गया है। राजनीति में उन्हें 'जायंट किलर' के नाम से जाना जाता है। 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने एक बार फिर इस पहचान को साबित कर दिया।

इस चुनाव में सिलीगुड़ी के मेयर और राज्य के पूर्व मंत्री गौतम देव को लगभग 70 हजार वोटों के भारी अंतर से हराकर शंकर घोष ने बड़ी जीत दर्ज की। उनकी इस जीत ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा छेड़ दी है और शहरवासियों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है।

2021 के विधानसभा चुनाव में शंकर घोष ने तत्कालीन दिग्गज वाम नेता अशोक भट्टाचार्य को हराकर अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी। वाम दल छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद मिली उस सफलता को उन्होंने 2026 में भी बरकरार रखा और गौतम देव जैसे अनुभवी नेता को पराजित कर यह साबित किया कि सिलीगुड़ी के लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता कितनी मजबूत है। पेशे से शिक्षक शंकर घोष अपनी सादगी और आम लोगों से जुड़ाव के लिए जाने जाते है। उनके जीवन में न तो दिखावा है और न ही अत्यधिक सुरक्षा व्यवस्था का घेरा, जिससे वे लोगों के और करीब माने जाते हैं।

शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर पर उनके प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। पूर्व मंत्री अशोक भट्टाचार्य ने कहा कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है, यह अच्छी खबर है। मैं खुश हूं। वह मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन अब देखना होगा कि वह शहर के विकास को किस तरह आगे बढ़ाते हैं।

वहीं, पूर्व मंत्री और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि शहर का एक बेटा मंत्री बना है। मैं चाहता हूं कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरें, क्योंकि सिलीगुड़ी की जनता ने उन पर बहुत भरोसा जताया है।

शंकर घोष के मंत्री बनने की खबर से सिलीगुड़ी की गलियों में उत्सव जैसा माहौल है। शहर के वरिष्ठ निवासी उत्पल दास ने कहा कि एक शिक्षक को मंत्री के रूप में पाकर हमें गर्व है। पिछले कुछ वर्षों में सिलीगुड़ी ने कई प्रशासनिक और बुनियादी ढांचा संबंधी बदलाव देखे है। हमें उम्मीद है कि शंकर बाबू स्वास्थ्य, शिक्षा और ट्रैफिक जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए जल्द कदम उठाएंगे।

युवाओं का भी मानना है कि शंकर घोष की साफ-सुथरी छवि और आम लोगों से सीधा जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्हें उम्मीद है कि मंत्री के रूप में वे केवल सिलीगुड़ी ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बंगाल में औद्योगीकरण और रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर भी विशेष ध्यान देंगे।

संपादकीय

मशीनों के भरोसे जीवन, लेकिन भरोसे की सुरक्षा कौन करेगा?

भीषण गर्मी में बढ़ता एसी का उपयोग जहां राहत देता है, वहीं तकनीकी खामी और लापरवाही इसे गंभीर खतरे में भी बदल सकती है। इसमें दोराय नहीं कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने मानव जीवन की राह को आसान बना दिया है। मगर तकनीक तभी सुविधाजनक होती है, जब उसे कौशल, संवेदनशीलता और सतर्कता के दायरे में रखा जाए। जरा-सी लापरवाही पर यह सुविधा कब जोखिम में बदल जाए, इसका आभास भी नहीं हो पाता है। बीते बुधवार की रात को दिल्ली के हौजखास इलाके में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें एयर कंडीशनर यानी एसी में विस्फोट से लगी आग की वजह से सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार की जान चली गई।वह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे। एसी में विस्फोट किन कारणों से हुआ, यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन सवाल है कि जिन उपकरणों को घरों में सुविधा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, उनमें तकनीकी खराबी से पैदा होने वाले खतरे से सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? क्या ऐसी घटनाओं में जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत नहीं है?गौरतलब है कि हर साल गर्मी में एयर कंडीशनर की वजह से हादसों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पिछले एक माह में देश भर में एसी में विस्फोट या आग लगने से मौत की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। निस्संदेह इस तरह के उपकरणों का इस्तेमाल करते समय लोगों को भी सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर एसी के मामले में ज्यादा सतर्कता की जरूरत होती है, क्योंकि इससे और भी कई तरह के जोखिम होते हैं।मसलन, बहुत ठंडे कमरे से अचानक तेज गर्मी में जाने से शरीर का तापमान बदल जाता है, जिससे मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है। एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे सांस और त्वचा संबंधी विकार पैदा हो सकते हैं। यही नहीं, इस उपकरण से गैस का रिसाव होने पर बंद कमरे में दम घुटने जैसी जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। यानी किसी भी तकनीकी संसाधन के उपयोग के साथ ही उनके संचालन के लिए एक मुकम्मल प्रशिक्षण भी बेहद जरूरी है।जरूरत इस बात की भी है कि ऐसे उपकरणों में तकनीकी खराबी की वजह से कोई हादसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से स्पष्ट नीति एवं नियम बनाए जाएं, ताकि इनके निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

रीलसमय सब जग जानी

(उमेश चतुर्वेदी)

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है।

सियाराम मय सब जग जानी...तुलसी के लिए समूचा विश्व ही श्रीराम और सीता की तरह रहा। आज की पत्रकारिता पर जिधर भी नजर फिराएं, कुछ उसी तरह टीवी मय ही लगती है। लगता नहीं कि मीडिया की की दुनिया में अखबार भी हैं, पत्रिकाएं भी हैं, रेडियो भी है और सबसे अहम इंटरनेट भी है। दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता का इतिहास गरिमा के सोपानों से भरा हुआ है। नवजागरण को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन मूल्यों की स्थापना में हिंदी पत्रकारिता ने महती भूमिका निभाई है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी हिंदी पत्रकारिता ने स्वाधीनता की लड़ाई भी लड़ी, हिंदी भाषा और साहित्य के उत्थान का माध्यम भी बनी, लेकिन दो सौ साल की यात्रा के उपरांत बाद के वर्षों के उसके इतिहास को देखते हैं तो वह सिर्फ टीवीमय नजर आती है, टीवी से भी आगे बढ़कर वह रीलमय नजर आती है। छापे से शुरू हिंदी पत्रकारिता का यह रूप छापे और रेडियो की उपस्थिति के बावजूद आज वह रील्स के इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। टेलीविजन तक तो स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद की जब तकनीक के सहारे टीवी की दुनिया में चुपके से रील्स ने दखल देनी शुरू की तो स्थितियां बदलने लगीं। हर नई तकनीक की अपनी कुछ खासियत होती है और इसके साथ ही वह अपना चरित्र भी विकसित करती है। रील्स का जो चरित्र विकसित हुआ है, उसमें उथलापन ज्यादा है, गंभीरता कम है। इसे समझने के लिए छापा यानी प्रेस से मीडिया तक की यात्रा को गंभीरता से देखना और समझना होगा। रेडियो के आविष्कार और फिर टेलीविजन के विस्तार के पहले तक पत्रकारिता की बुनियाद में छापेखाने ही रहे। शुरूआती दौर में पत्रकारिता को प्रेस इसी वजह से कहा गया। जब तक उसकी पहचान के साथ प्रेस जुड़ा रहा, उसके प्रति विशिष्टताबोध बना रहा। टेलीविजन के विस्तार और बजरिए इंटरनेट माध्यमों की आवाजाही ने इस विशिष्टाबोध युक्त पहचान को मीडिया में रूपांतरित कर दिया है। इस यात्रा में मोटे तौर पर पत्रकारिता के दो रूप दिखते हैं। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से जन्मे छापे की पत्रकारिता कोख में मिले संस्कारों को अब तक कमोबेश अपनाए रखा है। बाद में आए रेडियो और टीवी में तकनीक भले ही प्रधान रहा,लेकिन उनके मूल में भी छापे की ही पत्रकारिता रही। इसके बावजूद तकनीक प्रधान और अत्याधुनिक माध्यम टीवी छापे की बुनियादी मूल्यों से काफी दूर दिखता है।

उदंत मार्तंड के प्रकाशक और संपादक जुगल किशोर शुक्ल हों या बंगाल गजट निकालने वाले जेम्स ऑगस्टस हिक्की, उन्हें अखबार निकालने का गहरा युगबोध था। लेकिन उन्हें पता था कि वह जो कार्य करने जा रहे हैं, वह बेहद दुष्कर है। उनके सामने संसाधनों की ही चुनौतियां ही नहीं थी, पाठक जुटाना और अपने छापे की बात उन तक पहुंचाना भी आसान नहीं था। उन्हें आभास था कि उनकी खरी बातों को तत्कालीन विदेशी सत्ता स्वीकार नहीं करेगी। संसाधनों के अभाव और सरकारी सहयोग नहीं मिलने की वजह से ही उदंत मार्तंड असमय कालकवलित हो गया। उसे संसाधन या सरकारी सहयोग इसलिए नहीं मिले, क्योंकि उसका स्वर भारतोन्मुखी था, वह हिंदी समाज के हित के हेत निकल रहा था, उसे भारतीय मूल्यों की चिंता थी और भारतीय समाज के नवजागरण में वह भागीदार बनना चाहता था। यह कहानी उदंत मार्तंड तक ही सीमित नहीं रही। बाद के दिनों में भी हिंदी में तमाम समाचार पत्र निकले और बंद होते रहे। इस लिहाज से कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता का इतिहास नवजागरण का ही इतिहास नहीं है, अखबारों के निकलने और बंद बंद होने के सिलसिले का भी इतिहास है। लेकिन इस सिलसिले में भी समानता दिखती है, पत्रों का मूल उद्देश्य भारतीय मूल्यों, स्वाधीन सोच के लिए जागरण पैदा करना और राष्ट्र हित पर खुद को तिरोहित करना ज्यादातर पत्रों के प्रकाशन के मूल में दिखता है। कह सकते हैं कि हिंदी पत्रकारिता के जीन यानी गुणसूत्र में तिरोहित होने का ही भाव रहा है। यही वजह है कि हिंदी पत्र खतरा उठाते हुए भारतीयता की बात करना और सार्वजनिक हित का सवाल उठाना अपना पुनीत कर्तव्य मानते रहे।

बेशक आज के समाचार पत्र भी सवालों के घेरे में हैं, लेकिन सवालों में आना सिर्फ अखबारी संस्थानों और उनके कर्ताधर्ताओं की सोच का ही मसला नहीं है, बल्कि उदारीकरण के बाद बढ़ी अर्थप्रधानता और पूंजी के खेल से उपजी मजबूरी भी है। फिर भी जब तुलनात्मक रूप से देखते हैं कि स्वाधीनता आंदोलन के साथ जिन मूल्यों को भारतीय समाज ने स्वीकार किया और आत्मसात किया है, उन्हें अब भी अखबारों ने ही आत्मसात कर रखा है। इनकी तुलना में टीवी की पत्रकारिता कहीं ज्यादा चंचल और चलायमान नजर आती है।

पत्रकारिता के जब भी नए माध्यम सामने आए, पुराने माध्यम के खात्मे की आशंका जताई जाती रही। हालांकि नए माध्यम के किंचित गुणों के साथ प्रतियोगिता और साम्यता बरतते हुए पुराने माध्यम ने जहां खुद को ज्यादा प्रतियोगी बनाया। हर नए माध्यम के अवतार और विकास के मूल में नई तकनीक रही है। तकनीक की एक विशेषता है, हर नई तकनीक हमेशा पुरानी के मुकाबले ज्यादा प्रभावी होती है। इस लिहाज से छापे के बाद आए रेडियो ने लोगों को ज्यादा लुभाया। लेकिन रेडियो के साथ प्रतियोगिता में छापे ने हार नहीं मानी और उसके बरक्स खुद को भी पहले तुलना में ज्यादा गतिमान बनाया, अपने कंटेंट और प्रस्तुति में विविधता और नवीनता की खोज की। इसके बाद अखबारों का प्रसार बढ़ा, रेडियो को तो वैसे ही अपनी नई तकनीक के चलते आगे बढ़ना ही था।

जब टेलीविजन ने मीडिया की दुनिया में अगले चरण के रूप में कदम रखा, दोनों पुराने माध्यमों के खात्मे की आशंका जताई जाने लगी। हालांकि कोई खत्म नहीं हुआ, रेडियो ने खुद के लिए नई तकनीक यानी फ्रीक्वैंसी मॉड्युला यानी एफएम की ईजाद कर ली और अपने लिए जीवन की नई राह खोज ली तो अखबारों ने अपने पन्ने टेलीविजन के पर्दे की तरह चमकादार और दृश्यवान बनाने लगे। अखबारों पर विजुअल का प्रभाव फोटो और चित्रों के विस्तार के रूप में दिखा। इसके असर से अखबार अब भी बचे हुए हैं, रेडियो भी जिंदा है और टेलीविजन भी विस्तृत हो चुका है। लेकिन जिसे हम टेलीविजन कहते हैं, जिसमें एक पर्दा होता है, उसे चुनौती रील्स और ऐसे ही शॉर्ट वीडियो माध्यमों से मिल रही है। टेलीविजन को पहले इंटरनेट से चुनौती मिली, लेकिन बाद के दिनों इंटरनेट ने खुद में मीडिया के हर फॉर्मेट को समाहित कर लिया। इसी बीच रील्स और टिकटैक जैसे शॉर्ट फॉर्मेट आ गए और टेलीविजन को भी चुनौती मिलने लगी।

मीडिया के शुरूआती दोनों माध्यम जहां मूल्यों और संघर्ष की कशमकश वाले दौर में पैदा हुए, पले और बढ़े, इसलिए उनके चरित्र पर मूल्यों और संघर्ष का असर दिखता है। लेकिन टेलीविजन का वैश्विक प्रसार आर्थिक उदारीकरण के दौर में हुआ है। इसलिए उसने उदारीकरण की विशेषताओं को भी आत्मसात कर लिया है। उदारीकरण की पहली शर्त चमक-दमक और शोशेबाजी है। भारतीय परिदृश्य में जब टेलीविजन माध्यम विकसित हो रहा था, तब हिंदी के गंभीर पत्रकारों ने इससे दूरी बनाए रखी। उन्होंने तब इसे दोयम दर्जे का माध्यम माना और उसकी उपेक्षा की। उन्हें ऐसा लगा कि यह गंभीर पत्रकारिता का माध्यम नहीं हो सकता।

विज्ञान में निर्वात का सिद्धांत है। यानी कोई भी जगह निर्वात नहीं रह सकती, उसकी जगह भरने के लिए नई हवा आ ही जाती है। यह सिद्धांत हर जगह लागू होता है। टीवी की दुनिया से गंभीर लोगों ने दूरी बनाई तो उनकी जगह भरने के लिए वे सारे लोग आ गए, जिन्हें मुख्यधारा की पत्रकारिता स्वीकार नहीं कर रही थी। इसका असर यह हुआ कि उन्होंने गंभीरता की बजाय दृश्यों के लिए माकूल नाटकीयता को अपनाया, उन्होंने पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों की बजाय पारसी नौटंकी शैली की संवाद अदायगी और नाटकीयता पर जोर दिया। आज यह नाटकीयता ही भारतीय टेलीविजन की मुख्यधारा है। हालांकि जिन देशों में टीवी भारत की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित हुआ, जहां उसका आविष्कार हुआ, वहां टेलीविजन की पत्रकारिता पर छापे की पत्रकारिता जैसी गंभीरता दिखती है, वहां के खबरिया टीवी के पर्दे नाटकीयता से युक्त नहीं हैं। भारतीय परिदृश्य में एक और तथ्य को भी याद रखा जाना चाहिए। टीवी में बड़ी पूंजी लगती है, इसलिए इस पूंजी की वापसी की गारंटी भी चाहिए होती है, नाटकीयता इस वापसी की गारंटी देती प्रतीत होती है। इसलिए यह नाटकीयता बढ़ी हुई है। इस विकास के मूल में आर्थिक उदारीकरण के साथ आए जीवन मूल्य भी हैं। आर्थिक फायदे के चलते इस माध्यम ने सनसनी को भी हथियार बना लिया है। चूंकि यह दृश्य प्रधान माध्यम है, इसलिए यहां गंभीरता और गुणों पर नहीं, खूबसूरत और प्रभावी दृश्यों पर जोर है। रील्स ने इसे और बढ़ावा ही दिया है।

इंसाफ में देरी न हो... हाईकोर्ट्स को सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

(अभिषेक पाण्डेय)

सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी रोकने के लिए सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। जमानत याचिकाओं पर उसी दिन या अधिकतम अगले दिन फैसला देने को कहा गया है। साथ ही, सभी निर्णय 24 घंटे के भीतर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि न्याय प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बन सके।अदालती फैसलों में होने वाली देरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देश अहम हैं। इससे हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों का बोझ कम होगा और न्याय तेजी से मिलेगा।

प्रक्रिया तेज होगी: चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि आदेश सुरक्षित रखने के बाद तीन महीने के भीतर फैसला सुना दिया जाए। इसी तरह, जमानत अर्जियों पर उसी दिन आदेश सुनाया जाना चाहिए और अगर फैसला सुरक्षित रखा भी जाता है, तो वह अगले दिन सुना दिया जाए। सभी जजमेंट 24 घंटे के भीतर हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया।

विशेष अवसर: सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश दिए हैं। यह आर्टिकल पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट को व्यापक विवेकाधीन शक्ति देता है। यूं तो इसका इस्तेमाल विरले मौकों पर किया जाता है। लेकिन इस मामले में अनुच्छेद का उपयोग बताता है कि फैसलों में देरी किस तरह न्याय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही है।

समय पर हों फैसले: भारतीय अदालतों पर सबसे बड़ा आरोप यही रहा है कि यहां मुकदमे बरसों-बरस चलते रहते हैं और कई बार फैसला इतनी देरी से आता है कि उसका प्रभाव महसूस नहीं होता। ऐसे में ताजा निर्देश व्यवस्था को समयबद्ध बनाने की कोशिश है।

पुरानी चिंता: पिछले साल मई में भी सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई थी कि झारखंड हाईकोर्ट ने 67 आपराधिक अपीलों में फैसला सुरक्षित रखा है। उस समय जो दो जजों की बेंच मामले को देख रही थी, उसमें जस्टिस सूर्यकांत भी थे। अदालत ने इस घटनाक्रम को चिंताजनक बताते हुए सभी हाईकोर्ट से लंबित फैसलों की जानकारी मांगी थी और कहा था कि वह कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

आजादी सबसे अहम: इसमें जमानत का मामला बेहद संवेदनशील है। सुप्रीम कोर्ट कई मौकों पर स्पष्ट कर चुका है कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिला गरिमापूर्ण जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अदालत से तो जमानत मिल जाए या सजा लंबित हो जाए, लेकिन बाकी औपचारिकताओं की वजह से देरी हो। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्देशों से जल्द इंसाफ मिलने की उम्मीद बंधी है। अगर ऐसा हुआ तो इससे न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

देश में अब जीवन, श्रम और बुनियादी ढांचे को एक साथ चुनौती दे रही है गर्मी

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

(शालू अग्रवाल)

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है।

इस समय उत्तर और मध्य भारत का एक बड़ा हिस्सा भीषण लू की चपेट में है। कई जगहों पर तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। भारत जैसे देश के लिए गर्मी कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके साथ हमारा रिश्ता अब बदल रहा है। ऐसा इसलिए है कि इंसानों ने वैश्विक जलवायु को बदल दिया है। बीते दस साल पूरी दुनिया में अब तक के सबसे गर्म साल रहे हैं। हमने अपने आसपास की जलवायु को भी बदल दिया है। हमने अपने घर और शहर बनाने का तरीका, अपनी जीवनशैली और प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को भी बदल दिया है। इसकी वजह से बढ़ती गर्मी के हिसाब से खुद को ढालना अब हमारे लिए और भी मुश्किल हो गया है।

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

वर्ष 2010 में दिल्ली में जहां हर साल सोलह बहुत गर्म रातें होती थीं, वहीं उच्च उत्सर्जन की स्थिति में वर्ष 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष इक्यावन हो सकती है। इसका इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। शरीर और शहर, दोनों को रात के वक्त दिन की गर्मी से राहत नहीं मिल पाती है। इससे वातानुकूलन या ठंडक देने वाली सुविधाओं के बगैर कम हवादार इमारतों में रहने या इनमें काम करने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर डालता है। तीसरा, गर्मी के मौसम में उमस (आर्द्रता) बढ़ रही है। ऐसा उत्तर भारत और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में विशेष रूप से देखा जा रहा है।

ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं: गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस 'मूक आपदा' का प्रभावी तरीके से सामना करने में चार कदम उपयोगी साबित हो सकते हैं। सबसे पहले, शहरी प्रशासकों को गर्मी का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनानी होंगी। गर्मी का असर सभी जगहों पर एक जैसा नहीं होता है। यह स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढांचे की स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर योजना बनाना बहुत जरूरी है। इसका उदाहरण महाराष्ट्र का ठाणे नगर निगम है, जहां पिछले दो वर्षों से 'हीट एक्शन प्लान' लागू है।

यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई।

ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है। इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां 'हरित छांव' की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा सकता है। ऐसी कार्ययोजना को भीषण गर्मी की चुनौती से जूझ रहे सभी शहरों में लागू करने की जरूरत है।

दूसरा, सभी कारोबारों को अपने व्यवसाय से जुड़ी योजनाओं में गर्मी से बचाव को शामिल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी और उमस के कारण लोग ठीक से काम नहीं कर पाएंगे, यानी कामकाजी घंटों का नुकसान होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसद के बराबर नुकसान हो सकता है। वर्ष 2025 में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और नियोक्ताओं को परामर्श जारी किया था। इसमें श्रमिकों, खासतौर पर खुले स्थान पर और कठिन परिश्रम करने वालों को गर्मी से बचाने वाले उपायों को लागू करने के लिए कहा गया था।

गर्मी से न केवल श्रमिकों की सेहत, बल्कि मशीनों की कार्यक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला और पानी तथा ऊर्जा का बजट भी प्रभावित होता है। कई भारतीय कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसमें गर्मी के खतरे से ज्यादा प्रभावित लोगों की पहचान की गई है। आराम के लिए छायादार जगह बनाने, लगातार पानी पीते रहने का नियम और काम करने की पालियों में बदलाव लागू किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को तत्काल बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है।

तीसरा, बिजली कंपनियों को अपने बिजली संयंत्र और नेटवर्क को गर्मी से सुरक्षित बनाना होगा। भीषण गर्मी से बचाव में भरोसेमंद और किफायती बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका है। हर साल लू चलने के साथ लोग बड़ी संख्या में एसी और कूलर खरीदते हैं। गर्मी, उमस और बिजली में नई मांग आने के कारण विद्युत वितरण नेटवर्क और ट्रांसफार्मर पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। वर्ष 2025 में अत्यधिक बोझ और नमी आने के कारण लगभग दस फीसद, यानी तेरह लाख ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। इसके समाधान के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं- पहला, बिजली कंपनियों को अत्यधिक गर्मी वाले क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को पहले से मजबूत करना चाहिए।

दूसरा, बिजली कंपनियों को बिजली की मांग का आकलन करते समय रात के समय के अधिक तापमान और एसी के अधिक इस्तेमाल को भी ध्यान में रखना चाहिए। तीसरा, बिजली की बहुत अधिक मांग एक साथ न आए, इसके लिए अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग बिजली दरों की व्यवस्था को लागू करने जैसे सुधार करने चाहिए। चौथा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से भी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सरकारों को सार्वजनिक और निजी निवेशों को गर्मी से बचाव के उपायों की दिशा में ले जाना होगा। साथ ही, गरीब और कमजोर वर्गों, फसलों, पशुओं, जंगलों और घरों, स्कूलों व अस्पतालों को लंबी गर्मी से बचाने के उपाय भी खोजने होंगे। प्रत्येक सरकारी योजना में गर्मी से बचाव की रणनीति को शामिल कर इसकी शुरुआत की जा सकती है, लेकिन व्यापक समाधानों को पाने के लिए निजी निवेश को शोध और विकास के साथ-साथ तापरोधी फसलों, निर्माण सामग्री और ऊर्जा कुशल शीतलन तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में मोड़ना होगा।

भारत में दिव्यास्त्र ड्रोन बनाने का रास्ता साफ, दिव्यास्त्र मार्क-1 का भरोसेमंद प्रदर्शन

जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान में मोबाइल लॉन्चर से किया गया परीक्षण

नई दिल्ली । अब भारत में दिव्यास्त्र ड्रोन बनाने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरूरतों को देखते हुए लॉन्ग रेंज ड्रोन विकसित करने की कोशिशों में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत के स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को बे ावा देते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डिफेंस स्टार्टअप कंपनी होवरइट ने दिव्यास्त्र मार्क-1 विकसित करके सफल परीक्षण भी कर लिया है। राजस्थान के जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान और तेज हवाओं में टेस्ट किए जाने पर इस प्लेटफ़ॉर्म ने मुश्किल फील्ड स्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन दिखाया। कंपनी के अनुसार दिव्यास्त्र मार्क-1 ने अपने ऑपरेशनल प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसमें वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई लॉन्च, लाइव आईएसआर मिशन और टर्मिनल अटैक प्रोफाइल शामिल थे। इस प्रदर्शन के हिस्से के तौर पर दिव्यास्त्र मार्क-1 यूएवी को एक वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई बार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इससे प्लेटफॉर्म की तेजी से तैनात होने की क्षमता, युद्ध के मैदान में गतिशीलता और जमीनी हालात में टैक्टिकल लॉन्च की तैयारी का प्रदर्शन हुआ। इस अभ्यास ने ऑपरेशनल माहौल में गतिशील आईएसआर और टोही मिशनों में मदद करने की यूएवी की क्षमता को भी और पुख्ता किया। दिव्यास्त्र मार्क-1 स्वदेशी टैक्टिकल यूएवी है, जिसे खुफिया जानकारी, निगरानी, टोही और सटीक हमले के मिशनों के लिए विकसित किया गया है। 500 किलोमीटर तक की ऑपरेशनल रेंज और 5 घंटे तक की उड़ान क्षमता के साथ इस प्लेटफॉर्म को लंबे समय तक निगरानी, लक्ष्य की पहचान और टैक्टिकल कार्रवाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस यूएवी को पेलोड, संचार रिले सिस्टम और मिशन-विशिष्ट वॉरहेड कॉन्फ़िगिरेशन के साथ कॉन्फ़िगिर किया जा सकता है, जिससे यह अलग-अलग तरह के मिशनों में ऑपरेशनल किया जा सकता है। दिव्यास्त्र नाम से भारत में दो प्रमुख और अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियां विकसित की गई हैं। एक मिशन दिव्यास्त्र (मिसाइल) है और दूसरी दिव्यास्त्र मार्क-1 लड़ाकू ड्रोन-लोइटरिंग म्यूनिशन है। इसे भारत में ही डिजाइन, विकसित और इंटीग्रेट किया गया है। यह एक स्वदेशी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित लोइटरिंग म्यूनिशन प्रणाली है। यह प्रणाली भारतीय सेना के लिए रक्षा तैयारियों में एक बड़ा गेम-चेंजर मानी जा रही है।

इसे लंबी दूरी की सटीक निगरानी, सामरिक हमलों और दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एआई और स्वार्म तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे कई ड्रोन एक साथ मिलकर दुश्मन के ठिकानों पर स्वायत्त रूप से सटीक हमला कर सकते हैं। यह हवा में लगातार 5 घंटे तक मंडराने में सक्षम है।

यह ड्रोन 15 किलोग्राम तक का वॉरहेड (विस्फोटक) ले जा सकता है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत ने लंबी दूरी के हमलावर ड्रोन विकसित करने का काम तेज कर दिया था। इस काम में निजी क्षेत्र की मेहनत रंग लाने लगी है। लखनऊ स्थित रक्षा स्टार्टअप होवरइट ने दिव्यास्त्र ड्रोन विकसित करने की योजना की घोषणा की है।

जंजीरों में खुद को जकड़कर बाबा धाम निकले पूर्व सैनिक

भागलपुर । श्रावणी मेला शुरू होने से पहले डाक कांवर यात्रा में आस्था का एक अनोखा नजारा देखने को मिला। असरगंज-कच्ची कांवरिया पथ पर एक पूर्व सैनिक अपने पूरे शरीर को जंजीरों से जकड़कर बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा करते नजर आए। शेखपुरा जिले के एकड़ा गांव निवासी राम उदय सिंह सुल्तानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए रवाना हुए हैं। राम उदय सिंह ने बताया कि वे भारतीय सेना में 18 वर्षों तक सेवा दे चुके हैं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद से वे लगातार बाबा धाम की यात्रा कर रहे हैं। इस बार उन्होंने जनकल्याण, सुख-समृद्धि और विश्व शांति की कामना को लेकर खुद को जंजीरों से बांधकर डाक कांवर यात्रा करने का संकल्प लिया है इससे पहले वे सुराही कांवर के साथ यात्रा करते थे। लेकिन इस बार उनकी यह अनोखी साधना श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। रास्ते में जहां-जहां से वे गुजर रहे हैं, वहां श्रद्धालुओं की भीड़ उन्हें देखने के लिए उमड़ रही है। लोग उनकी भक्ति और समर्पण की सराहना कर रहे हैं। जंजीरों में बंधे पूर्व सैनिक की यह अनोखी कांवर यात्रा इन दिनों कांवरिया पथ पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

रजौली अस्पताल में फिर बांटी गई एक्सपायरी दवा, मरीजो में रोष

नवादा । जिले के रजौली अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को मरीजों को एक्सपायरी दवा दिए जाने का मामला एक बार फिर सामने आया है। लगातार दूसरी बार हुई इस घटना ने अस्पताल की दवा वितरण व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जानकारी के रजौली क्षेत्र के मसई मुहल्ला निवासी राधा देवी सोमवार को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची थीं। चिकित्सक की जांच के बाद उन्हें अस्पताल के दवा काउंटर से डाइएथाइलकार्बामाजीन साइट्रेट सिरप दिया गया। घर पहुंचने पर परिजनों ने दवा की जांच की तो पता चला कि उसकी एक्सपायरी अवधि समाप्त हो चुकी है। परिजनों ने तत्काल अस्पताल पहुंचकर इसकी शिकायत की। आरोप है कि दवा काउंटर पर मौजूद कर्मी ने कहा कि अस्पताल में फिलहाल यही दवा उपलब्ध है और दूसरी दवा नहीं है। बाद में एक्सपायरी दवा वापस ले ली गई तथा मरीज को बाजार से दवा खरीदने की सलाह दी गई। इस घटना से मरीज के परिजनों में नाराजगी देखी गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी इसी वर्ष एक जनप्रतिनिधि को अस्पताल से एक्सपायरी दवा दिए जाने का मामला सामने आया था।

बार-बार ऐसी घटनाओं के सामने आने से अस्पताल में दवाओं के भंडारण, जांच और वितरण प्रक्रिया की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा दवा वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने की मांग की है।

सिविल सर्जन से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि मैं अभी मीटिंग में हूं मीटिंग समाप्त होते हैं जांच करते हुए उचित कार्रवाई करूंगा ।लोगों का कहना है कि मरीजों के स्वास्थ्य से जुड़ी ऐसी लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

भारत-म्यांमार के बीच सहयोगी संबंधों को और मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि म्यांमार के राष्ट्रपति की यात्रा का उद्देश्य मित्रता और सहयोग के बंधन को और मजबूत करना है। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 03 जून तक भारत दौरे पर हैं। दौरे के पहले दिन वे बोधगया गए थे और उनका 2 जून को मुंबई दौरे का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के अनुसार म्यांमार भारत की 'पड़ोसी प्रथम', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर' नीति के संगम पर स्थित है। राष्ट्रपति ह्लाइंग की भारत की आधिकारिक यात्रा से दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मायागंज अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों के बीच चली लाठियां

भागलपुर । भागलपुर के मायागंज अस्पताल में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब अस्पताल की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी ही आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते अधीक्षक कार्यालय के सामने शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया और अस्पताल परिसर रणक्षेत्र बन गया। पूर्वी बिहार के सबसे बड़े अस्पताल मायागंज अस्पताल में सुरक्षाकर्मियों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई। बताया जा रहा है कि निजी कंपनी के सुरक्षाकर्मी वेतन वृद्धि, अवकाश और अन्य मांगों को लेकर अस्पताल अधीक्षक कार्यालय के सामने धरना दे रहे थे। इसी दौरान बांका से पहुंचे उसी कंपनी के कुछ सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

गडकरी ने की पश्चिम बंगाल के एनएच परियोजनाओं की समीक्षा

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पश्चिम बंगाल की 3,748 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की समीक्षा की। यह समीक्षा मीडिया और सोशल मीडिया से प्राप्त इनपुट्स के आधार पर की गई। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को यहां आयोजित बैठक में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल), मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना ठेकेदार शामिल हुए। गडकरी ने बैठक में जमीनी स्तर पर कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करने और आधुनिक निर्माण पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे परियोजनाओं की आयु बढ़ेगी, सवारी की गुणवत्ता सुधरेगी और निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को अग्रिम मानसून तैयारी के निर्देश भी दिए। इसमें प्रभावी जल निकासी प्रबंधन, ढलान सुरक्षा उपाय और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली शामिल हैं, ताकि बारिश के दौरान यातायात में व्यवधान कम हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को बताया अफवाह

तेहरान (ईरान) । ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन अब तक अपने पद पर बने हुए हैं। मसूद ने अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। वैश्विक मीडिया में रविवार को प्रसारित उनके इस्तीफा देने की खबर पर ईरानी प्रशासन ने देरशत प्रतिक्रिया दी। प्रशासन की प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने कहा कि यह महज अफवाह है। इरना न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी शासन की प्रवक्ता फातिमा मोहजेरानी ने रविवार देर रात अपने एक्स हैंडल पर कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन मुश्किल दिनों में ईरानी लोगों के साथ खड़े हैं। उनका प्रशासन देश की समस्याओं को हल करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

लेबनान में लड़ाई तेज, हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना पर रॉकेट दागे, आईडीएफ का ब्यूफोर्ट पर कब्जा

बेरूत (लेबनान) । लेबनान में इस समय ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह और इजराइल की सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इजराइल ने रविवार को पूरे दिन हिजबुल्लाह के प्रमुख गढ़ों पर ताबड़तोड़ हमले किए। इसके जवाब के लिए हिजबुल्लाह ने रात का समय चुना। आधीरात गुजर जाने के बाद अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार एक जून को करीब एक बजे हिजबुल्लाह ने इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) पर रॉकेट और तोप के गोले दागे। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के लिए अपराजेय माने जाने वाले ब्यूफोट पर कब्जा कर उसे तगड़ी चुनौती दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में रविवार को आईडीएफ ने 36 से ज्यादा हमले किए। इन हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। टायर जिले के अल-अब्बासियेह शहर पर हमले में चार लोगों की जान चली गई।डेर अल-जहरानी के हाय अल अरब इलाके पर हमलों में आठ लोग मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए। अनेक रिहायशी घर तबाह हो गए। जदीदत अंसार इलाके पर हमले में दो बच्चों सहित तीन लोग घायल हो गए। ओडाइसेह में एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर कर किए गए हमले में तीन लोग घायल हो गए। टायर में हिराम अस्पताल के पास हमले में 13 मेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के सदस्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार इजराइली सैनिकों ने लेबनान में एक रणनीतिक पहाड़ पर कब्जा कर लिया है।

इसके शिखर पर क्रूसेडरों का किला ब्यूफोर्ट है। ब्यूफोर्ट को यूनेस्को संरक्षित और विरासत स्थल घोषित कर चुका है। इस पर इजराइल का 2000 में पीछे हटने से पहले 18 वर्ष तक कब्जा रहा है। हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना पर हमलों का दावा किया है।

खड़गपुर मंडल के तहत कोलाघाट स्टेशन में स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) की नियुक्ति

सं. सीओएम/जी30/एसटीबीए/कोरेस/पीटी-I दिनांक: 29.05.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर द्वारा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों पर न्यूनतम कमिशन दर के आधार पर (प्रति माह रु. 1 लाख से अधिक के बिक्री टर्नओवर के लिए) वर्तमान कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (यूटीएस) के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकटों की बिक्री के लिए खड़गपुर मंडल के तहत **कोलाघाट** स्टेशन में **स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट** की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: **स्टेशन: कोलाघाट (क्यूजीटी)। श्रेणी: एसजी-3; स्थान कोड: क्यूजीटी-1। एसजी-3** श्रेणी स्टेशन के लिए अनुबंध **01 (एक) वर्ष** के लिए वैध होगा, जिसे योजना के विस्तार तथा सक्षम प्राधिकारी की संतुष्टी के अनुसार आगे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है। आवेदन सिर्फ प्रस्तावित स्थान के इच्छुक आवेदकों से आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदनों के स्वीकार/ग्रहण करने तथा आवेदन/निविदा पेटी खोलने का विवरण नीचे अनुसूची के अनुसार होगा: **डालने की तारीख:** 22.06.2026 को 10.00 बजे से 15.00 बजे तक। **खुलने की तारीख:** 22.06.2026 को 15.30 बजे। **स्थान:** वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय/दक्षिण पूर्व रेलवे-खड़गपुर, पता-डीआरएम बिल्डिंग-खड़गपुर, जिला-पश्चिम मेदिनीपुर (प.बं.), पिन कोड-721301। पात्रता का मानदंड, स्थान, आवेदन का प्रारूप तथा अन्य विवरण वेबसाइट **www.ser.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। इस निविदा के संबंध में कोई भी प्रश्न रहने पर उसका उत्तर **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यालय, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर** से आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख से पहले सामान्य कार्यकारी दिवस (सोमवार से शुक्रवार) को **11.00 बजे से 17.00 बजे तक** प्राप्त किए जा सकते हैं। **वि.द्र.:** कृपया ध्यान दें कि राज्य प्राधिकारी के किसी भी आदेशानुसार निविदा पेटी में डालने की तारीख/खोलने जाने की तारीख को अगर स्वाभाविक जन-जीवन/कार्यकलाप बाधित होता है, तो संबंधित कार्य स्थगित कर दिया जाएगा। ऐसी परिस्थिति में निविदा पेटी में डालने/खोले जाने के कार्य को पुनर्निर्धारित कर उसे अगले स्वाभाविक कार्यकारी दिवस को यथावत समय एवं स्थान पर सम्पन्न किया जाएगा।

(PR-254) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, खड़गपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे — मुस्कान के साथ सेवा

Nagaland State Lotteries — DEAR RISE MONDAY WEEKLY LOTTERY — 01:00 PM

Draw No:31 Price ₹7/- Draw Date on:01/06/26

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **41A 13578**

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **13578** (All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-: 01560 05903 32807 35955 46195 48417 82848 97334 98675 98957

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-: 1640 2917 3486 3488 3777 4657 5965 6695 6730 9686

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-: 0808 2777 3596 4207 7697 7734 8027 8272 8700 8959

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0081	1072	2096	2769	4070	5008	5804	6606	7874	9076
0154	1248	2106	3123	4084	5190	6032	6797	7933	9239
0291	1287	2201	3392	4430	5286	6086	7034	7993	9254
0374	1335	2205	3409	4472	5299	6150	7172	8006	9344
0736	1507	2264	3411	4475	5373	6179	7218	8024	9641
0738	1558	2427	3678	4555	5404	6359	7531	8087	9684
0773	1573	2584	3765	4608	5675	6367	7591	8223	9748
0812	1611	2605	3803	4761	5688	6460	7787	8662	9764
0815	1772	2726	3920	4784	5791	6537	7804	8874	9794
0840	1831	2736	4052	4969	5794	6547	7841	8905	9936

01:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : nagalandlotteries.com/livedraw YouTube

Sikkim State Lotteries — DEAR LEGEND MONDAY WEEKLY LOTTERY — 06:00 PM

Draw No:35 Price ₹7/- Draw Date on : 01/06/26

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **84C 67777**

SOLD BY : SELLER - RATANCHANDRA NAG - KATWA & SUB-STOCKIST - BURIMA & SONS - KATWA

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **67777** (All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-: 09949 26367 48695 56931 64155 69582 72781 93144 96402 98225

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-: 1949 3913 5295 6105 6812 7202 8801 9435 9443 9891

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-: 0035 1782 1883 2127 2343 2794 4247 8985 9018 9019

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0028	1000	2025	3093	4217	5029	5951	6585	7622	8601
0152	1219	2211	3513	4454	5071	6016	6800	7695	8745
0410	1274	2258	3560	4566	5121	6072	6973	7774	8821
0479	1354	2600	3719	4596	5172	6134	7061	7901	8853
0554	1394	2641	3854	4707	5303	6196	7078	7929	8903
0801	1496	2804	3888	4827	5544	6364	7130	7976	9078
0845	1514	2805	3952	4843	5588	6493	7281	7977	9147
0854	1532	2859	4022	4882	5747	6547	7338	8031	9514
0897	1574	3015	4031	4994	5806	6548	7448	8105	9695
0958	1748	3086	4202	4997	5836	6581	7528	8367	9825

06:00 PM

Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On : sikkimlotteries.com/livedraw YouTube

Nagaland State Lotteries — DEAR CLOVER MONDAY WEEKLY LOTTERY — 08:00 PM

Draw No:31 Price ₹7/- Draw Date on:01/06/26

1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- **64G 50096**

Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- **50096** (All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)

2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-: 02716 04320 08391 17143 25469 25706 57662 67652 98528 99391

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-: 0327 1135 2643 2821 2872 4094 4382 6167 7425 9449

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-: 0383 1964 3148 4004 4067 7656 7796 7888 8589 9335

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0086	1105	1720	2736	3914	4903	5722	6463	7503	8607
0110	1141	1825	2780	4056	5174	5925	6589	7539	8689
0118	1259	1889	2837	4112	5179	5975	6664	7561	8859
0772	1288	2001	2964	4213	5289	5985	6928	7783	9066
0790	1375	2069	3029	4245	5382	6181	7284	8016	9074
0826	1403	2077	3069	4379	5531	6251	7292	8117	9131
0967	1455	2152	3072	4443	5626	6303	7347	8347	9232
0971	1480	2165	3101	4539	5668	6389	7376	8399	9460
0974	1693	2618	3837	4665	5692	6442	7440	8430	9872
1066	1702	2666	3904	4667	5707	6455	7462	8596	9955

08:00 PM

Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : nagalandlotteries.com/livedraw YouTube

* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

कब्रिस्तान की जमीन पर टीएमसी कार्यालय होने का आरोप

विधायक पार्थो घोष ने दी कार्रवाई की चेतावनी

रानीगंज, नि.सं : रानीगंज के भाजपा विधायक ने आरोप लगाया है कि नगर निगम के ३५ नंबर वार्ड स्थित एक कब्रिस्तान की जमीन पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का पार्टी कार्यालय संचालित किया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए संबंधित लोगों को कार्यालय हटाने की चेतावनी दी है।

विधायक पार्थो घोष ने कहा कि यह बेहद दुखद और आश्चर्यजनक है कि जिस अल्पसंख्यक समुदाय का हितैषी होने का दावा टीएमसी करती है, उसी समुदाय के कब्रिस्तान की जमीन पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर पार्टी कार्यालय बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस तरह की गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि पार्टी कार्यालय से जुड़े लोग स्वयं कब्रिस्तान की जमीन से कार्यालय हटा लें, अन्यथा प्रशासन से कार्रवाई की मांग की जाएगी।

वहीं, इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी पार्षद अख्तरी खातून ने कहा कि यदि यह साबित हो जाता है कि पार्टी कार्यालय वास्तव में कब्रिस्तान की जमीन पर बना है, तो उन्हें उसे हटाने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं कार्यालय में रखा सामान निकलवाकर उसकी चाबी भाजपा विधायक को सौंपने के लिए तैयार हैं। अख्तरी खातून ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि जिस जमीन पर पार्टी कार्यालय बना हुआ है, वह कब्रिस्तान की जमीन है। उन्होंने कहा कि संबंधित कार्यालय वर्ष २०११ से पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) का कार्यालय हुआ करता था। वर्ष २०११ में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद इसका उपयोग टीएमसी कार्यालय के रूप में किया जाने लगा। उन्होंने बताया कि वर्ष २०१८ में टीएमसी में शामिल होने और बाद में पार्षद बनने के बाद से वह भी इसी कार्यालय से लोगों की समस्याओं का समाधान कर रही हैं। पार्षद ने कहा कि यदि जांच में यह साबित हो जाता है कि कार्यालय कब्रिस्तान की जमीन पर स्थित है, तो वह उसे तत्काल खाली कर देंगी और अपने कार्यकाल के शेष समय में अपने घर से ही लोगों की सेवा करेंगी। फिलहाल इस मामले को लेकर इलाके में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और लोगों की नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

बर्नपुर में आईएसपी की बड़ी कार्रवाई ख्याली क्लब पर चला बुलडोजर

बर्नपुर, नि.सं : बर्नपुर स्थित आईएसपी (इस्को स्टील प्लांट) की जमीन पर बने १९६३ में स्थापित ऐतिहासिक ख्याली क्लब को सोमवार को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। इसके साथ ही क्षेत्र में स्थित एक अन्य क्लब को भी तोड़ दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान आईएसपी के अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था के बीच ध्वस्तीकरण कार्य संपन्न हुआ।

आईएसपी प्रबंधन की ओर से बताया गया कि दोनों क्लब कंपनी की जमीन पर अवैध रूप से निर्मित थे। कंपनी की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध कब्जों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

वहीं, इस कार्रवाई को लेकर ख्याली क्लब के सदस्यों और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। क्लब के सदस्यों का कहना है कि आईएसपी की जमीन पर और भी कई अवैध निर्माण मौजूद हैं। यदि ख्याली क्लब को अवैध बताकर तोड़ा जा रहा है, तो अन्य अतिक्रमणों पर भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए।

क्लब से जुड़े लोगों ने बताया कि वर्ष १९६३ में स्थापित यह क्लब क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, सामाजिक कार्यक्रमों और सांस्कृतिक आयोजनों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता था। उनका आरोप है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक क्लब को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि ख्याली क्लब केवल एक भवन नहीं था, बल्कि इलाके की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा था। इसके ध्वस्तीकरण से क्षेत्र के लोगों में निराशा का माहौल है। हालांकि आईएसपी प्रबंधन अपने फैसले पर कायम है और अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई को नियमों के अनुरूप बता रहा है।

पंचगछिया में होगा आज से सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ

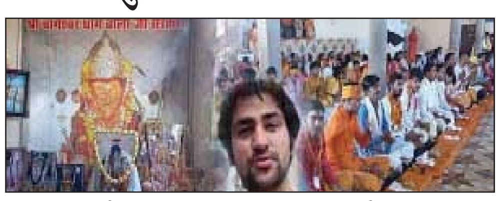

आसनसोल, नि.सं । सनातन संस्कृति के संवर्धन तथा धार्मिक चेतना के प्रसार के उद्देश्य से पंचगछिया क्षेत्र में सोमवार से सवा लाख सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। आनंद वाहिनी संस्था के तत्वावधान में आयोजित यह आध्यात्मिक अनुष्ठान आगामी १२ जून तक चलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी की अपेक्षा की जा रही है। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इस संबंध में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन समाज में आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ करने तथा लोगों को धर्म और संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रातःकाल से सायंकाल तक हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ, वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन तथा महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु पूरे दिन धार्मिक गतिविधियों में भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक दिन प्रसाद वितरण और सामूहिक भंडारे की भी व्यवस्था की गई है, जिससे दूर-दराज से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजकों के अनुसार, इस अनुष्ठान में मिथिला, काशी तथा बंगाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित ५१ विद्वान आचार्य और पुरोहित वैदिक विधि-विधान के अनुसार पूजन एवं यज्ञ संपन्न कराएंगे। सामूहिक रूप से किए जाने वाले ऐसे पाठ सामाजिक एकता और पारस्परिक सद्भाव को भी मजबूत करते हैं। आनंद वाहिनी संस्था की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि यह आयोजन किसी एक संस्था या वर्ग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का कार्यक्रम है। श्रद्धालुओं का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज में नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का भी माध्यम बनते हैं।

चिरेका में जल सरंक्षण ड्राइव कार्यक्रम

चित्तरंजन, नि.सं। चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान (15 मई से 5 जून 2026 तक) की शुरूआत शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ जारी है। इस दौरान विविध कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता से संबंधित इस अभियान के तहत रविवार को जल विभाग कार्यालय के समक्ष 'एक ड्राइव कार्यक्रम आयोजित हुआ। सभी ने जल सरंक्षण के जरिए जल चक्र को अनुकूल बनाये रखने में अपने अपने सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। यह जल सरंक्षण ड्राइव जल विभाग कार्यालय से प्रारंभ होकर पेट्रोल पम्प के समीप समाप्त हुआ। विभिन पोस्टर्स के साथ बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारीं उत्साह पूर्वक भाग लिए एवं जल सरंक्षण के प्रति जागरूक किया।

चेंबर ने किया विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी का अभिनंदन व्यापारिक विकास को बताया प्राथमिकता

आसनसोल, नि.सं । शहर के प्रमुख व्यापारिक संगठन आसनसोल चेंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में रविवार को नवनिर्वाचित विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में व्यापार, उद्योग तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और विधायक को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की अपेक्षा व्यक्त की।

कृष्णेंदु मुखर्जी लंबे समय से चेंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़े रहे हैं। वे संगठन के आजीवन सदस्य होने के साथ-साथ पूर्व में वरिष्ठ उपाध्यक्ष का दायित्व भी निभा चुके हैं। विधायक निर्वाचित होने के बाद पहली बार चेंबर भवन पहुंचने पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह में चैंबर के अध्यक्ष ओम बागड़िया, सचिव शंभूनाथ झा, कोषाध्यक्ष आलोक धर तथा वरिष्ठ सलाहकार जगदीश केडिया सहित अनेक पदाधिकारी मंचासीन रहे। उपस्थित सदस्यों ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर विधायक का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान सभागार में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

अपने संबोधन में विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी क्षेत्र की आर्थिक प्रगति की आधारशिला होते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, निवेश को प्रोत्साहन तथा स्थानीय उद्योगों के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास की गति को और तेज किया जाएगा।

विधायक ने यह भी कहा कि आसनसोल के समग्र विकास में व्यापारिक समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भविष्य की योजनाओं में स्थानीय उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा रोजगार सृजन को विशेष महत्व दिया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक संगठनों से समय-समय पर सुझाव प्राप्त करने और उन्हें विकास योजनाओं में शामिल करने की बात भी कही। समारोह में उपस्थित व्यापारियों ने भी शहर के विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, यातायात व्यवस्था में सुधार तथा निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। कई सदस्यों ने विधायक को अपने सुझाव भी सौंपे और भविष्य में नियमित संवाद बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम में अरुण शर्मा, पवन गुटगुटिया, निरंजन अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, जगदीश बागड़ी, मुकेश तोदी, विनय शर्मा, अमर प्रसाद, अशोक अग्रवाल, विजय मकारिया, सोमनारायण बसु, राजन बग्गा, अविनाश सिंह, प्रेम गोयल, विनोद केडिया सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ओके रोड टेंपो स्टैंड के पास मिला महिला का शव

आसनसोल, नि.सं : आसनसोल नगर निगम के २५ नंबर वार्ड अंतर्गत ओके रोड टेंपो स्टैंड के समीप सोमवार को एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन स्थानीय निवासियों में से कोई भी महिला की पहचान नहीं कर सका।

सूचना मिलते ही वार्ड पार्षद एस. एम. मुस्तफा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल स्थानीय थाने को घटना की जानकारी दी तथा शव को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था कराई। इस संबंध में एस. एम. मुस्तफा ने कहा कि यह एक अत्यंत संवेदनशील मामला है। एक महिला का इस तरह मृत अवस्था में पाया जाना चिंता का विषय है।

इसलिए बिना देर किए पुलिस को सूचना दी गई और एंबुलेंस बुलाकर शव को जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था की गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए जिला अस्पताल में रखा जाएगा।

महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है।

डीएसपी की बेदखली कार्रवाई से गरमाया माहौल, तृणमूल के दो कार्यालय ध्वस्त

दुर्गापुर, वि.सं: पश्चिम बर्दवान जिले के औद्योगिक शहर दुर्गापुर में सोमवार को डीएसपी (दुर्गापुर स्टील प्लांट) की भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जे कर बनाए गए राजनीतिक दलों के कार्यालयों के खिलाफ चलाए गए बेदखली अभियान को लेकर दिनभर राजनीतिक हलचल बनी रही। इस कार्रवाई के दौरान तृणमूल कांग्रेस के दो पार्टी कार्यालयों को ध्वस्त कर दिया गया, जबकि महिष्कापुर स्थित सीटू के च्संपर्क भवनज को गिराने की कार्रवाई स्थानीय लोगों और महिला कार्यकताओं के विरोध के चलते फिलहाल स्थगित करनी पड़ी।

सोमवार सुबह डीएसपी प्रबंधन के अधिकारी भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों के साथ डीएसपी टाउनशिप के माकोर्नी क्षेत्र पहुंचे। अधिकारियों के अनुसार, डीएसपी की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निर्मित एक तृणमूल कांग्रेस

कार्यालय को चिन्हित किया गया था। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत उक्त कार्यालय को ध्वस्त कर दिया गया।

इसके बाद अधिकारियों ने सी-जोन क्षेत्र में स्थित तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य पार्टी कार्यालय के खिलाफ भी कार्रवाई की और उसे भी गिरा दिया गया। दोनों स्थानों पर बेदखली अभियान बिना किसी बड़े विरोध के संपन्न हो गया।

हालांकि, स्थिति उस समय बदल गई जब प्रशासन महिष्कापुर क्षेत्र में स्थित सीटू के च्संपर्क भवनज को हटाने पहुंचा। कार्रवाई की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, विशेषकर महिलाएं, मौके पर एकत्र हो गईं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीटू के स्थानीय नेता सिमंता चटर्जी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि यह भवन केवल राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र नहीं है, बल्कि क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक और श्रमिक संगठनों की गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भवन को अचानक ध्वस्त किए जाने से क्षेत्र के कई सामाजिक और श्रमिक कार्य प्रभावित होंगे तथा स्थानीय लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। इसके चलते मौके पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई और पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक बहस और बातचीत का दौर चला।

दूसरी ओर, डीएसपी अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संगठन की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित सभी ढांचों के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना था कि कार्रवाई का आधार किसी संगठन या राजनीतिक दल की पहचान नहीं, बल्कि भूमि की कानूनी स्थिति है। धीरे-धीरे हालात गरमा गए। पुलिस और प्रोटेस्ट करने वालों के बीच काफी देर तक बहस हुई। हालांकि कोई अनहोनी नहीं हुई, लेकिन हालात को देखते हुए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने फिलहाल च्संपर्क भवनज के खिलाफ कार्रवाई स्थगित कर दी। इसके बाद अधिकारी बिना किसी तोड़फोड़ के वहां से लौट गए।

दिनभर चली इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। एक ओर तृणमूल कांग्रेस के दो कार्यालयों को ध्वस्त किए जाने की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर सीटू के च्संपर्क भवनज पर कार्रवाई टल जाने को लेकर भी विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के बीच बहस शुरू हो गई है।

आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

हटन रोड अतिक्रमण हटाने में विलंब पर व्यापारियों की नाराजगी

आसनसोल, नि.सं । शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र हटन रोड में अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी कार्रवाई प्रारंभ नहीं होने से व्यापारिक समुदाय में असंतोष बढ़ने लगा है। इस विषय को लेकर आसनसोल चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर निगम प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। व्यापारिक संगठन का कहना है कि अतिक्रमण की समस्या के कारण न केवल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, बल्कि आम नागरिकों को भी प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से नगर निगम प्रशासन को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि हटन रोड क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के लिए पूर्व में निर्धारित समयावधि समाप्त हो चुकी है, किंतु अभी तक धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दी है। संगठन का मानना है कि यदि प्रशासनिक निर्णयों का समय पर पालन नहीं होता है तो इससे आम

निगम से त्वरित कार्रवाई की मांग

जनता का भरोसा प्रभावित होता है और प्रशासनिक व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

व्यापारिक प्रतिनिधियों ने बताया कि हटन रोड शहर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण बाजार क्षेत्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी और अन्य कार्यों के लिए पहुंचते हैं। सड़क और फुटपाथों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरकर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। चेंबर के पदाधिकारियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में अव्यवस्थित अतिक्रमण के कारण ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा असर व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। कई दुकानदारों ने शिकायत की है कि यातायात जाम और अव्यवस्था के कारण ग्राहक बाजार आने से परहेज कर रहे हैं। इससे छोटे और मध्यम व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पत्र में नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया गया है कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए तथा बाजार क्षेत्र को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। व्यापारिक संगठन ने यह भी सुझाव दिया है कि अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ स्थायी समाधान की दिशा में भी कार्य किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति पुनः उत्पन्न न हो। फिलहाल नगर निगम प्रशासन की ओर से इस विषय पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि व्यापारिक समुदाय को उम्मीद है कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और हटन रोड क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए संयुक्त अभियान

दुर्घटना संभावित क्षेत्रों का किया गया निरीक्षण

आसनसोल, नि.सं : राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से शुक्रवार को आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के ट्रैफिक विभाग, स्थानीय थाना, मोटर व्हीकल विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान उन क्षेत्रों का विस्तृत जायजा लिया गया जहां पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। अधिकारियों ने दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान करने तथा उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की।

इस संबंध में जानकारी देते हुए ट्रैफिक विभाग के डीसी पीवीजी सतीश ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर दुर्घटनाएं अधिक होने के कारणों का अध्ययन कर उन्हें कम करने के लिए प्रभावी उपाय किए जाएंगे। डीसी ट्रैफिक ने बताया कि इस संयुक्त अभियान में ट्रैफिक विभाग के अलावा स्थानीय थाना, मोटर व्हीकल विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी भी शामिल रहे।

सभी विभागों के समन्वय से यह पहल की जा रही है ताकि भविष्य में राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर आगे भी इस तरह के निरीक्षण और जागरूकता अभियान जारी रहेंगे, जिससे दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

संक्षिप्त समाचार

बिहार में दिल्ली हाई कोर्ट बार काउंसिल अध्यक्ष की लग्जरी कार बरामद

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले में लहेरी थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने अंतर्राजीय वाहन चोर गिरोह के 6 सदस्यों को बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 2 लग्जरी गाड़ियां बरामद की गईं, जिनमें दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष की होंडा सिटी कार शामिल है।दिल्ली और बिहार शरीफ की कार बरामद: 23 मई को बिहार शरीफ के मंगला स्थान से चोरी हुई स्कॉर्पियो और 25 मई को दिल्ली से चोरी हुई होंडा सिटी कार पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद कर ली है। गिरोह के सदस्यों के पास से कई अन्य गाड़ियों के नंबर प्लेट भी जब्त किए गए हैं। डीएसपी ने दी पूरी जानकारी: सदर डीएसपी संकेत कुमार ने बताया कि लहेरी थाना क्षेत्र से स्कॉर्पियो चोरी होने की शिकायत मिलने के बाद थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और बिहार-झारखंड में छापेमारी कर 6 आरोपियों को पकड़ा गया।

बेगूसराय एनएच-28 पर भीषण सड़क हादसा, 1 बाइक सवार युवक की मौत

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय जिले के फुलवड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-28 पर रविवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा शांति नगर गाछी टोला के समीप उस समय हुआ जब दो मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार में थीं। आमने-सामने हुई भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि एक बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिलने के कारण देर रात तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान फुलवड़िया थाना क्षेत्र के शोकहारा-दो वार्ड संख्या-07 निवासी तथा वर्तमान में बरौनी नगर परिषद वार्ड संख्या-13 के रहने वाले मनोज राय के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। घायल को तत्काल इलाज के लिए बरौनी लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

शेखपुरा में पीएम आवास योजना के नाम पर साइबर फ्रॉड

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा बरबीघा केवटी थाना इलाके के गंगटी गांव में बनियान का पानी से छिंटा पड़ जाने के विवाद को लेकर एक विवाहिता और उसके 6 वर्षीय बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है। इस मामले में मृतिका की पहचान गंगटी गांव निवासी राधे रावत के पुत्र रोहित कुमार की पत्नी विभा देवी एवं 6 वर्षीय बच्ची अभिलाषा कुमारी के रूप में की गई है। इस घटना को लेकर मृतका के पिता मुनेश्वर चौधरी एवं भाई धनंजय चौधरी ने हत्या का आरोप लगाते हुए केवटी थाने में का आवेदन सोपा है। मृतिका का नैहर झारखंड के गढ़वा जिला अंतर्गत हूर गांव बताया गया है।मृतिका की बहन रीता देवी ने बताया कि वर्ष 2016 में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक मृतिका की शादी हुई थी। ससुराल में उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। 6 महीने पहले भी केवटी थाने में लिखित शिकायत की गई थी। उसी वक्त बांड लिखवा कर सुलह कराया गया था। लेकिन रविवार की सुबह ग्रामीनों ने दूरभाष पर किसी ने विवाहित और उसके 6 वर्षीय बच्ची की हत्या की जानकारी दी। जैसे ही वह सूचना पाकर बरबीघा के गंगटी गांव पहुंच, तब वहां उन्हें बच्चे और विवाहिता का सदर अस्पताल शेखपुरा में होने की जानकारी दी गई। सदर अस्पताल पहुंचने पर दोनों को मृत पाया गया। पीड़ित परिजनों ने आरोप लगाया कि बनियान के पानी का छीटा पड़ने के बाद विवाहिता की सास सुलेखा देवी के साथ विवाद हुआ था।

भूटान से तस्करी कर बिहार लाई गई शराब

मुजफ्फरपुर में चल रहा था 'असली से नकली' का खेल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शराबबंदी वाले बिहार में शराब तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर कारोबार को अंजाम देने में जुटे हैं। मुजफ्फरपुर में इस बार शराब तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां भूटान से तस्करी कर लाई गई विदेशी शराब को नामी कंपनियों के ब्रांडेड बोतलों में भरकर बाजार में खपाने की तैयारी चल रही थी। हालांकि, समय रहते उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर इस पूरे खेल का खुलासा कर दिया।

पश्चिम बंगाल के रास्ते भूटान से आई थी बिहार : मौके से भूटान निर्मित शराब की बड़ी खेप के साथ हजारों खाली बोतलें, रैपर, ढक्कन और बारकोड बरामद किए गए हैं। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही कारोबारी फरार हो गया। उत्पाद विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया है कि शराब की खेप भूटान से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बिहार पहुंची थी।

भूटान से मुजफ्फरपुर तक पहुंची शराब की खेप: इसके बाद अलग-अलग मार्गों से इसे मुजफ्फरपुर लाया गया, जहां इसे नकली ब्रांडेड शराब के रूप में तैयार कर बाजार में सप्लाई की योजना थी। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि अहियापुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास एक झोपड़ी में शराब तैयार करने का अवैध काम चल रहा है।

छापेमारी से हुआ खुलासा : सूचना के आधार पर उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने छापेमारी की तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। छापेमारी के दौरान टीम ने बड़ी मात्रा में शराब के कार्टन, हजारों की संख्या में खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर, ढक्कन और शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले बारकोड बरामद किए। मौके से जब्त कई बोतलों पर लिखा मिला, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शराब भूटान निर्मित थी।

नकली ब्रांड तैयार करने की थी तैयारी : जांच में सामने आया है कि भूटान से लाई गई शराब को नामी ब्रांड की बोतलों में भरकर नकली लेबल लगाए जा रहे थे। इसके जरिए शराब को महंगे दामों में बाजार में बेचने की तैयारी थी। उत्पाद विभाग को आशंका है कि यह काम किसी बड़े नेटवर्क के जरिए संचालित किया जा था। छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया।

तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी : फिलहाल उत्पाद विभाग की टीम उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामले में स्थानीय नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ''मौके से बरामद शराब भूटान निर्मित है। शराब को ब्रांडेड कंपनियों के रैपर लगाकर नकली तरीके से तैयार किया जा रहा था। टीम ने शराब की खेप, खाली बोतलें, ढक्कन, रैपर और बारकोड जब्त किए हैं। फरार कारोबारी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।''

8वीं तक मान्यता, लेकिन 10वीं तक पढ़ाई, सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी बेगूसराय पर उठे बड़े सवाल

मंझौल, एजेंसी। बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत मंझौल पंचायत-2 स्थित सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी एक बार फिर चर्चा में है। आरोप है कि विद्यालय को केवल आठवीं कक्षा तक की मान्यता प्राप्त है, लेकिन यहां नौवीं और दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई कराई जा रही है। इस मामले ने अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है तथा शिक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस विद्यालय को कथित तौर पर केवल कक्षा आठ तक की संबद्धता प्राप्त है, वहां खुलेआम नौवीं और दसवीं की पढ़ाई कराई जा रही है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी बड़ा जोखिम माना जा सकता है।

क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि आखिर आठवीं तक मान्यता रखने वाला विद्यालय उच्च कक्षाओं का संचालन किस अनुमति के तहत कर रहा है। लोगों का सवाल है कि क्या शिक्षा विभाग को इसकी जानकारी नहीं है या शिकायतों के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अभिभावकों को आशंका है कि कहीं प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा उनके बच्चों को न भुगतना पड़े।

अभिभावकों का कहना है कि वे भरोसे के साथ अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं। ऐसे में यदि मान्यता और संबद्धता से जुड़े नियमों का पालन नहीं हो रहा है, तो छात्रों की पढ़ाई और भविष्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।स्थानीय लोगों ने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि स्कूल परिसर में कई जगह बिजली के बोर्ड क्षतिग्रस्त हैं और कुछ स्थानों पर तार खुले पड़े हैं। ऐसे हालात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है तथा किसी भी समय दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है।

बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातक का शैक्षणिक कैलेंडर जारी,

कुलपतियों को राज्यपाल का खास निर्देश

पटना, एजेंसी। बिहार के सभी विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अब एक समान शैक्षणिक कैलेंडर लागू होगा। राज्यपाल सह कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल सैय्यद अता हसनैन ने सभी विश्वविद्यालयों को इसे तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। इसके तहत 30 जून तक नामांकन प्रक्रिया पूरी करनी होगी और 1 जुलाई से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

शैक्षणिक कैलेंडर का हो पालन: राजभवन सचिवालय द्वारा जारी आदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक अनुशासन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। सभी कुलपतियों को निर्देश दिया गया है कि शैक्षणिक कैलेंडर का पालन किया जाए। केवल असाधारण परिस्थितियों में अधिकतम 7 दिन का विचलन स्वीकार्य होगा।

सेमेस्टर सिस्टम को मिलेगा नया रूप: नए कैलेंडर के अनुसार ऑड सेमेस्टर (1, 3, 5 एवं 7) जुलाई से दिसंबर तक और इवेन सेमेस्टर (2, 4, 6 एवं 8) जनवरी से जून तक चलेंगे। पहले सेमेस्टर का नामांकन 1 मई से शुरू होकर 30 जून तक चलेगा। कक्षाएं 1 जुलाई से शुरू होंगी।

महत्वपूर्ण तारीख तय: मध्य सेमेस्टर परीक्षा 11 से 16 सितंबर, कक्षाएं 20 नवंबर को समाप्त होंगी। प्रायोगिक परीक्षा 20 से 26 नवंबर और मुख्य परीक्षा 27 नवंबर से 16 दिसंबर तक होगी। परिणाम 10 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। इसी तरह अन्य ऑड सेमेस्टर की भी यही व्यवस्था रहेगी।

इवेन सेमेस्टर की समय-सारणी: दूसरे, चौथे, छठे और आठवें सेमेस्टर का नामांकन 4 जनवरी से शुरू होकर 9 जनवरी तक चलेगा। कक्षाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। मध्य सेमेस्टर परीक्षा 15-20 मार्च, कक्षाएं 30 अप्रैल को खत्म होंगी। प्रायोगिक परीक्षा 1-6 मई और सैद्धांतिक परीक्षा 6 से 24 मई तक होगी। परिणाम 20 जून को जारी होंगे।

छात्रों को मिलेगा बेहतर अवसर: यह व्यवस्था राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। छात्रों को अब शैक्षणिक गतिशीलता, क्रेडिट ट्रांसफर और बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

कई कैलेंडरों से मिलेगी राहत: पहले बिहार के विश्वविद्यालयों में अलग-अलग शैक्षणिक कैलेंडर होने के कारण छात्रों को नामांकन, परीक्षा और रिजल्ट में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई विश्वविद्यालयों में सत्र काफी विलंब से चलते थे। अब एकरूपता आने से यह समस्या समाप्त हो जाएगी।

उच्च शिक्षा में अनुशासन और गुणवत्ता बढ़ेगी: राजभवन का यह कदम बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और अनुशासित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सभी विश्वविद्यालयों को आगामी सत्रों में भी इस कैलेंडर का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में तालाब की खुदाई में मिली 800 साल पुरानी दुर्लभ प्रतिमा,मां सीता से जुड़ा है स्थल

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी में खुदाई के दौरान 800 साल पुरानी दुर्लभ प्रतिमा निकली है। मामला हरलाखी प्रखंड अंतर्गत फुलहर गांव का है। प्रतिमा निकलने के बाद इलाके में इसकी चर्चा तेज हो गयी है। इसकी जानकारी मिलते ही पर्यटन विभाग के आर्किटेक्ट माधव भारद्वाज ने स्थल का जायजा लिया। सबसे पहले उन्होंने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और इसके बाद तालाब खुदाई के दौरान निकले अवशेष को देखा।

विशेषज्ञ की जांच और पहचान: आर्किटेक्ट ने बताया कि देखने से प्रतीत होता है कि यह अवशेष 12वीं शताब्दी के आसपास का है। उन्होंने इसे बौद्ध देवी तारा की भग्न प्रतिमा बताया। उन्होंने कहा कि प्रतिमा पर प्रसिद्ध बौद्ध श्लोक लिखा गया है। इसे बौद्ध धर्म में 'धर्म मंत्री' भी कहा जाता है। फिलहाल इसकी जानकारी आर्कियोलॉजिकल विभाग को दे दी गयी है।

डीएम से संग्रहित करने की मांग: इंटैक बिहार स्टेट के कन्वेनर शिव कुमार मिश्र ने भी इसकी पुष्टि की है कि यह भंग प्रतिमा बौद्ध देवी तारा की है। उन्होंने मधुबनी डीएम आनंद शर्मा से प्रतिमा को संग्रहित करने की मांग की है। साथ ही उसे संग्रहालय में रखवाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि खुदाई में कई पुरावशेष निकलने की संभावना है।

मधुबनी के हरलाखी प्रखंड अंतर्गत फुलहर गांव स्थित 'बागतराग' है। बागतराग यानि बाग और तालाब से है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फुलहर गांव में ऐतिहासिक तालाब है, जिसके चारों तरफ प्राचीन काल में उपवन था। मिथिला नरेश जनक के महल के नजदीक अवस्थित इस उपवन में तरह-तरह के फूल और फल के वृक्ष थे। यह स्थल भगवान श्रीराम व माता जानकी की प्रथम मिलन स्थली के रूप में जाना जाता है।माना जाता है कि मां जानकी इस उपवन में फूल लोढ़ने के लिए आती थीं। इसलिए सरकार इस रामायणकालीन स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का काम कर रही है।

ताजमहल में बिछड़े तीन मासूम बच्चे, 30 मिनट में पुलिस ने किया रेस्क्यू

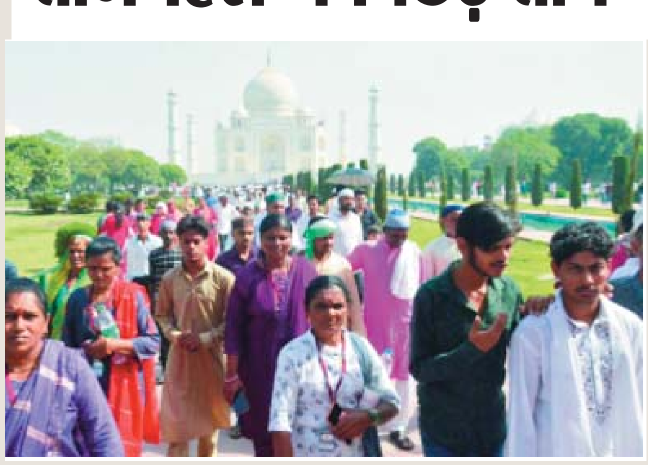

आगरा, एजेंसी। ताजमहल के पश्चिमी गेट पर रविवार को भीड़ के चलते अलग-अलग राज्यों से आए तीन बच्चे अपने परिजन से बिछड़ गए। रोते-बिलखते बच्चों पर नजर पड़ते ही ताज सुरक्षा पुलिस की क्यूआरटी टीम ने तत्परता दिखाई और महज 30 मिनट के भीतर तीनों को ढूंढकर उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

मामला-1

तेलंगाना के हैदराबाद से मां सुलोचना के साथ आए 9 वर्षीय अब्बावर्तनी वर्धन पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास भीड़ में खो गए। रोते हुए बच्चे को देख पर्यटकों ने पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी फुटेज और रेडियो अनाउंसमेंट की मदद से पुलिस ने मात्र 20 मिनट में परिजनों को ढूंढ निकाला।

मामला-2

आगरा के फतेहपुर सीकरी के गांव सरसारेवा से आए बच्चू सिंह का 7 वर्षीय बेटा जतिन कुमार ताज देखकर बाहर निकलते समय बिछड़ गया। उप निरीक्षक शिवराज सिंह ने रोते बच्चे को ढांढस बंधाया और करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद पश्चिमी पार्किंग से उसके पिता को खोजकर बच्चा सौंपा।

मामला-3

बिहार के देवरिया, सलेमपुर से दिलीप कुमार के साथ आया 8 वर्षीय दिव्यांश नीम तिराहा बैरियर के पास भटकता मिला। प्रभारी निरीक्षक तिलकराम भाटी के निर्देशन में पुलिस ने बच्चे से मिले मोबाइल नंबर के जरिए बिहार संपर्क किया और वहां से स्थानीय ग्रुप का नंबर लेकर उनकी मां को खोज निकाला। बच्चे को सुरक्षित पाकर मां की आंखें भर आईं और आगरा पुलिस का आभार व्यक्त किया।

टेंट व्यवसायी की एआई से बनाई ऐसी तस्वीर, जिसे देख वो डर गया; इसलिए फंदे पर लटक दे दी जान

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र के नगला फकीरचंद में 26 मार्च की रात टेंट व्यवसायी का शव छत पर बनी कोठरी में फंदे से लटका मिला था। मृतक की पत्नी ने पड़ोस में रहने वाले दंपती पर ब्लैकमेलिंग, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। न्यायालय के आदेश पर थाना शाहगंज में आरोपियों पर आत्महत्या को दुष्प्रेरित करने समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पीड़िता विमलेश ने बताया कि 26 मार्च की रात करीब 9:30 बजे आरोपी नीरज ने ईदगाह चौराहे पर पति नवल किशोर को रोक लिया। मोबाइल में एआई से बनी आपत्तिजनक फोटो दिखाकर एक लाख रुपये की मांग की। पति ने फोटो को फर्जी बताते हुए रुपये देने से मना कर दिया। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की।

रात करीब 10:30 बजे नीरज अपनी पत्नी पिंकी के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और दोनों ने मिलकर फोटो वायरल करने, अश्लीलता के मामले में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। लगातार ब्लैकमेलिंग और धमकियों से आहत होकर पति ने रात में घर की छत पर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए हैं। कई बार पुलिस में शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट की शरण ली। थाना प्रभारी शाहगंज ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

लोहे के गेट में फंस गईं लाशें, कार के अंदर खून ही खून

तीन की मौत का मंजर देख पुलिस भी कांप गई

मेरठ, एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार कंटेनर में पूरी तरह फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने करीब आधे घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला।

पुलिस के मुताबिक राजस्थान के चूरू निवासी सोहेब पुत्र सलीम कार चला रहा था। कार में सवार सभी लोग बिहार से राजस्थान लौट रहे थे। कार में परमिला (31), पूजा कुमारी (32), राजू (35), अयांश (6) सहित कुल आठ लोग सवार थे। रविवार रात जैसे ही करीब दो बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.700 पर पहुंचते ही तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार कंटेनर के पिछले हिस्से में पूरी तरह घुस गई। हादसे के बाद कंटेनर चालक करीब 50 मीटर तक कार को घसीटता हुआ ले गया। घटना की जानकारी होने पर चालक कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र और यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधा मोहन द्विवेदी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया।

कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा मशीन बुलानी पड़ी। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक एक महिला सहित तीन लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी।

हादसे में परमिला,राजू,कार चालक सोहेब ,पूजा कुमारी, अयाश गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें सीएचसी फतेहाबाद से प्राथमिकी उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेजा गया। वहीं पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हुई है जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस फरार कंटेनर चालक की तलाश कर रही है।

Registered No. KOL. RMS/350/2015-17
प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

नॉर्वे चेस 2026: गुकेश और दिव्या हारे

नॉर्वे चेस 2026: कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही। एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया। दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

कोहली की क्लास, भुवनेश्वर का चला जादू

आरसीबी को चैंपियन बनाने में इन 5 खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली । रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वो कर दिखाया, जो आईपीएल के इतिहास में सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम ही कर सकी हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को फाइनल में 5 विकेट से हराते हुए लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम किया। आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके बूते खिताब का बचाव करने में सफल रही आरसीबी।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का रोल काफी अहम रहा। भुवनेश्वर ने न सिर्फ पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, बल्कि अंत के ओवरों में भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए। उन्होंने इस सीजन में खेले 16 मुकाबलों में 28 विकेट अपने नाम किए। फाइनल में भी भुवनेश्वर ने साई सुदर्शन और जेसन होल्डर का बड़ा विकेट चटकाया।

विराट कोहली

आरसीबी के लिए विराट कोहली कितने मायने रखते हैं, यह बात वह हर सीजन अपने प्रदर्शन से साबित करके दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में भी कोहली का बल्ला खूब गरजा, और वह टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। 37 वर्षीय विराट ने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। वहीं, फाइनल मैच में भी उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली।

रजत पाटीदार

कप्तानी के साथ-साथ रजत पाटीदार ने आरसीबी के लिए बल्ले से भी अहम योगदान दिया। पहले क्वालीफायर मुकाबले में मुश्किल में फंसी नजर आ रही आरसीबी टीम की नैया को पार लगाने वाले बल्लेबाज कप्तान रजत ही रहे, जिन्होंने महज 33 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली। रजत हर मुश्किल समय में विपक्षी टीम के सामने चट्टान की तरह खड़े रहे।

रसिख सलाम

जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन के आगे भले ही रसिख सलाम का योगदान पीछे छुप गया, लेकिन 26 वर्षीय इस युवा तेज गेंदबाज ने अपनी गेंदबाजी से आईपीएल 2026 में खासा प्रभावित किया। रसिख ने इस सीजन 19 विकेट निकाले और उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन फाइनल मैच में ही आया। खिताबी मुकाबले में रसिख ने 4 ओवर में सिर्फ 27 रन देकर 3 विकेट निकाले।

देवदत्त पडिक्कल

आरसीबी का यह बल्लेबाज इस सीजन विराट कोहली के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला। पडिक्कल ने 16 मुकाबलों में 168 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 464 रन बनाए। उन्होंने इस सीजन तीन अर्धशतक लगाए। नंबर तीन की पोजीशन पर पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने आरसीबी के मध्यक्रम पर दबाव नहीं आने दिया।

आईपीएल 2026 वैभव बने मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर

जानिए किसे मिला कौन-सा अवॉर्ड?

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' चुना गया है। इसके साथ ही उन्हें इस सीजन में 776 रन बनाने के लिए 'ऑरेंज कैप' भी मिली। आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' वैभव ने कहा, 'मुझे अच्छा लग रहा है, लेकिन इंटरव्यू देना पड़ रहा है, इसलिए थोड़ा दबाव महसूस हो रहा है। आप प्रत्येक मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। अगर मुझे चोट से बचना है, तो मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा। हर कोई बहुत मददगार है। सभी सीनियर खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, हर कोई मेरा साथ देता है और यहां का माहौल बहुत अच्छा है।' एक ओर वैभव ने 'ऑरेंज कैप' हासिल की, जबकि दूसरी तरफ कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 29 विकेट लेने के लिए 'पर्पल कैप' अपने नाम की। पंजाब किंग्स को 'फेयरप्ले अवॉर्ड' मिला। मनीष पांडे को 'कैच ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड मिला, जिन्होंने बैकवर्ड प्वाइंट पर एक शानदार कैच लेकर टिम डेविड को आउट किया था।

डियर साप्ताहिक लॉटरी बीरभूम निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

बीरभूम, पश्चिम बंगाल से श्री अमर कुमार मंडल ने **07.03.2026** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर ₹1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **38L 18507** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "किसी भी व्यक्ति की आर्थिक मजबूती जीवन की गुणवत्ता सुझाती है। डियर लॉटरी बगैर किसी कड़े कदम के साधारण लोगों को करोड़पति बनाती है। ऐसी एक आश्चर्यजनक स्कीम रखने के लिए मैं डियर लॉटरी और नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देना चाहता हूं," विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

Rank	No. of Prizes	Prize Amount for Winners ₹	Prize Amount for Sellers ₹	Prize Amount for Sub-Stockist ₹	Method of Draw
1	1	1,50,00,000	10,00,000	5,00,000	One Complete Number of 6 Digits shall be drawn Either from Series A or B, If number falls from unsold tickets, then machine shall be re-operated till the prize is drawn from sold tickets.
2	2	10,00,000	1,00,000	50,000	Two Complete Number of 6 Digit Shall be Drawn along with Series. One from A Series & One from B Series
3	2	5,00,000	50,000	20,000	Two Complete Number of 6 Digit Shall be Drawn along with Series. One from A Series & One from B Series
4	60	9,000	900	100	Ten Numbers of 5 Digits Shall be Drawn. (Last 5 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)
5	120	8,000	800	50	Two Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)
6	120	6,000	600	50	Two Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)
7	300	4,000	400	30	Five Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)
8	300	2,000	200	20	Five Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)
9	30,000	300	30	10	Five Hundred Numbers of 4 Digits Shall be Drawn. (Last 4 Digits of Ticket Numbers will be considered, Common to All Series)

★ Prize Amount for Sellers & Sub-Stockists above ₹ 10,000 should be claimed from Government only
★TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
Issued by : Directorate of Small Savings, Banking and Lotteries, Punjab

₹ 1.50 करोड़ के हालिया विजेता

DEAR 200 MONTHLY — Mr. KAPIL DEV, Draw Date: 07.03.2026, Ticket No. 794994
DEAR 200 MONTHLY — Mrs. VAISHALI TUSHAR DESHMUKH, Draw Date: 08.03.2025, Ticket No. 545595
DEAR 200 MONTHLY — Mr. HARJIT SINGH, Draw Date: 04.02.2025, Ticket No. 746535
DEAR 200 MONTHLY — Mr. BIBHUTI KUMAR RAI, Draw Date: 07.01.2025, Ticket No. 308196
DEAR 200 MONTHLY — Mr. MANGAL SINGH, Draw Date: 03.12.2024, Ticket No. 347063

पूछताछ के लिए, कॉल करें (टोल फ्री) : 1800 103 6711 (पश्चिम बंगाल) टिकट सभी लॉटरी काउन्टरों पर उपलब्ध हैं

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक ममता वाजयपेयी द्वारा 4,केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता -15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रेरक संपादकः राजेन्द्र नारायण वाजपेयी । **संपादक : रितेश वाजपेयी।**
Phone: 2236-1572,4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No.-033-3315-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये,गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन